E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 81 | प्रयागराज, बुधवार 03 जून, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

लेबनान पर इजराइली हमले से ट्रम्प भड़के नेतन्याहू को फोन कर फटकार लगाई, कहा- पागल हो गए हो क्या, तुरंत ये सब रोको

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। ट्रम्प ने सोमवार को इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बात करते हुए लेबनान

में इजराइली सैन्य कार्रवाई पर कड़ी नाराजगी जताई। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प ने गुस्से में नेतन्याहू को 'पागल' कह दिया और उन पर एहसान न मानने का आरोप लगाया।रिपोर्ट के अनुसार, लेबनान पर हमले के बाद ईरान ने सोमवार को चेतावनी दी थी कि अगर इजराइली कार्रवाई जारी रही तो वह अमेरिका के साथ चल रही बातचीत छोड़ सकता है। इससे नाराज ट्रम्प ने नेतन्याहू किया। सूत्रों के मुताबिक, ट्रम्प ने गुस्से में कहा, 'तुम पागल हो गए हो। आखिर तुम कर क्या रहे हो। अगर मैं नहीं होता तो तुम जेल में होते। मैं तुम्हें बचा रहा हूं। अब हर कोई तुमसे नाराज है। इस वजह से हर कोई इजराइल से भी नाराज है।' अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, ट्रम्प खास तौर पर इस बात से परेशान थे कि लेबनान में बड़ी संख्या में आम नागरिक मारे जा रहे हैं और एक हिजबुल्लाह कमांडर को निशाना बनाने के लिए पूरी इमारतें गिराई जा रही हैं। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स- 1. कुवैत में अमेरिकी ठिकाने पर हमलाः ईरान ने कुवैत में तैनात अमेरिकी सैनिकों को निशाना बनाकर दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं जिसे हवा में ही रोक लिया गया। ईरान ने कहा कि उसे जवाबी कार्रवाई का अधिकार है।2. अमेरिका-ईरान की बातचीत फिर शुरूः अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत फिर से पटरी पर लौटती दिख रही है। सीएनएन मुताबिक दोनों देशों के बीच संपर्क और बातचीत दोबारा आगे बढ़ रही है। 3. लेबनान पर हमले से ईरान नाराजः ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अमेरिका के साथ सीजफायर की शर्तों में लेबनान शामिल है। उस पर हमला पूरे समझौते का उल्लंघन माना जाएगा। 4. ईरान के द्वीपों पर अमेरिकी हमलाः अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया कि उसने ईरान के गोरुक शहर और केश्म द्वीप पर आत्मरक्षा में हमले किए हैं। इसे पिछले हफ्ते केश्म द्वीप के ऊपर गिराए गए अमेरिकी एमक्यू-1 ड्रोन का जवाब बताया जा रहा है। 5. ईरान डील में परमाणु मुद्दों का साफ जिक्रः ट्रम्प ने कहा कि उनके प्रस्तावित ईरान समझौते में परमाणु मुद्दों का साफ और विस्तार से जिक्र किया गया है। इससे पहले कई रिपोर्ट्स में कहा गया था कि परमाणु मुद्दों को लेकर दोनों देश बाद में बातचीत करेंगे। इजराइल के कई नेताओं ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के उस फैसले की आलोचना की है, जिसमें उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के आग्रह के बाद लेबनान पर प्रस्तावित हमलों को रोक दिया। राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन ग्वीर ने सोशल मीडिया पर नेतन्याहू से ट्रम्प को 'ना' कहने और हिजबुल्लाह पर हमला जारी रखने की अपील की। यशार पार्टी के नेता गादी आइजेनकोट ने ट्रम्प के लेबनान पर हमला न करने के आदेश को अपमानजनक बताया।

ईरान ने अमेरिका से सीजफायर वार्ता रोकी, होर्मुज स्ट्रेट फिर बंद करने की तैयारी, लेबनान पर हमलों के विरोध में फैसला

तेहरान। ईरान ने अमेरिका के साथ सीजफायर वार्ता फिलहाल रोक दी है। ईरानी न्यूज एजेंसी तस्नीम के मुताबिक, तेहरान ने कहा है कि जब तक लेबनान में इजराइली

हमले नहीं रुकते, तब तक मध्यस्थों के जरिए अमेरिका के साथ कोई बातचीत नहीं होगी। रिपोर्ट के अनुसार, ईरान का कहना है कि लेबनान में शांति बनाए रखना सीजफायर की अहम शर्तों में शामिल था। लेकिन अब लेबनान समेत कई मोर्चों पर इस समझौते का उल्लंघन हो रहा है। ईरान ने गाजा और लेबनान में इजराइल की सैन्य कार्रवाई तुरंत रोकने और लेबनानी क्षेत्र से इजराइली सेना की पूरी वापसी की मांग की है। तेहरान का कहना है कि जब तक इन मुद्दों पर उसकी और उसके सहयोगियों मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक बातचीत दोबारा शुरू नहीं होगी। तस्नीम की रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि ईरान और उसके सहयोगी होर्मुज स्ट्रेट पूरी तरह बंद करने और अन्य मोर्चों को एक्टिव करने के ऑप्शन पर भी विचार कर रहे हैं। इनमें लाल सागर के दक्षिणी हिस्से में स्थित बाब अल-मंदेब स्ट्रेट भी शामिल है। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स- ब्यूफोर्ट किले पर इजराइल का कब्जाः इजराइली सेना ने दक्षिणी लेबनान में 900 साल पुराने ब्यूफोर्ट किले और आसपास की पहाड़ियों पर कब्जा कर लिया। यह पिछले 26 साल में इजराइल की लेबनान में सबसे बड़ी घुसपैठ है। इमरजेंसी मीटिंग बुलाने की मांगः फ्रांस ने लेबनान में इजराइल की बढ़ती सैन्य कार्रवाई को लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक बुलाने की मांग की है। ट्रम्प बोले- ईरानी सेना के खिलाफ सख्त एक्शन नहींः ट्रम्प ने कहा है कि अमेरिका ने ईरानी सेना पर उतनी सख्त कार्रवाई नहीं की, जितनी वह दूसरे देशों की सेनाओं के खिलाफ करता रहा है। ईरान को अमेरिका पर भरोसा नहींः ईरान ने कहा है कि जब तक यह भरोसा नहीं हो जाता कि उसके अधिकार पूरी तरह सुरक्षित हैं, तब तक अमेरिका के साथ किसी भी समझौते को मंजूरी नहीं दी जाएगी। अमेरिका ने ईरान जा रहे जहाज को रोकाः अमेरिका ने ईरान की ओर जा रहे एक और मालवाहक जहाज को रोक दिया।

दिल्ली में 8 जून को I.N.D.I.A ब्लॉक की बैठक संभव, राहुल, ममता और अखिलेश समेत 15 दलों के नेता आ सकते हैं

नयी दिल्ली। विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक के वरिष्ठ नेताओं की 8 जून को दिल्ली में

बैठक हो सकती है। न्यूज एजेंसी पीटीआई से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, बैठक में पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी शामिल हो सकते हैं। बैठक में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार का मुकाबला करने और विपक्षी एकजुटता को मजबूत करने की संयुक्त रणनीति पर चर्चा की जाएगी। हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों और कई राज्यों में बदलते राजनीतिक समीकरणों पर भी बातचीत संभव है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तमिलनाडु में कांग्रेस के टीवीके को समर्थन देने के बाद डीएमके के इस बैठक में शामिल होने की संभावना नहीं है। हालांकि, टीवीके को इस बैठक में शामिल करवाने की कोशिश की जा रही है। आम आदमी पार्टी ने पहले ही सार्वजनिक रूप से इस गठबंधन से दूरी बना ली थी, इसलिए पार्टी इस बैठक में शामिल नहीं होगी। इस बैठक में ममता बनर्जी द्वारा बंगाल में टीएमसी नेताओं पर हुए कथित हमलों का मुद्दा उठाने और इंडिया ब्लॉक के दलों का समर्थन जुटाने की उम्मीद है। विपक्षी गठबंधन की पहली बैठक 23 जून 2023 को पटना में हुई थी। इस बैठक की अगुआई बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने की थी। बैठक में विपक्ष के 15 दल शामिल हुए थे। ये बैठक 2024 लोकसभा चुनाव में मोदी सरकार का सामना करने के लिए विपक्ष को एक साथ लाने के लिए थी। लोकसभा चुनाव में इंडिया को 234 सीटें मिली हैं। इसमें कांग्रेस की 99, समाजवादी पार्टी की 37 और तृणमूल कांग्रेस की 29 सीटें शामिल हैं।बहुमत का आंकड़ा 272 है। वहीं, महाराष्ट्र चुनाव में इंडिया ब्लॉक को कांग्रेस लीड कर रही थी। विपक्षी महाविकास अघाड़ी (एमवीए) की 288 में से सिर्फ 45 सीटें आईं। भाजपा गठबंधन को 230 सीटें मिलीं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अपने सरकारी आवास (5, सुनहरी बाग रोड) पर सितंबर 2025 में इंडिया ब्लॉक के नेताओं के साथ डिनर मीटिंग की थी। मीटिंग के बाद कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने बताया कि मीटिंग सफल रही है।

आगरा में चीफ इलेक्शन कमिश्नर ने मंदिर में दर्शन किए,माता-पिता और पत्नी भी साथ, बोले- पांच राज्यों में सफल चुनाव के बाद आशीर्वाद लेने आया

आगरा। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार आगरा पहुंचे हैं। मंगलवार सुबह 6:30

बजे उन्होंने पत्नी और माता-पिता के साथ कैलाश महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना की। पिता का हाथ थामकर आरती की। दुग्धाभिषेक किया। करीब 45 मिनट तक मंदिर में रहे। मंदिर के बाहर मीडियाकर्मियों से मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा- पांच राज्यों (प. बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरलम्, पुडुचेरी) में सफल चुनाव संपन्न होने के बाद पत्नी अनुराधा के साथ आगरा आया हूं। पिता और मां का आशीर्वाद लिया, इसके बाद महादेव की पूजा की। उन्होंने कहा कि आने वाले चुनाव भी पारदर्शी होंगे। शुद्ध मतदाता सूची ही पारदर्शी चुनावों की आधारशिला है, इसलिए देश के लोगों को वोटर आईडी कार्ड बनवाना चाहिए और चुनावों में मतदान करना चाहिए। इसके बाद मुख्य चुनाव आयुक्त मनकामेश्वर महादेव मंदिर जाएंगे। माता-पिता के पैर छूकर आशीर्वाद लिया, दामाद के घर भी गए मुख्य चुनाव आयुक्त सोमवार शाम 5:30 बजे दिल्ली से आगरा पहुंचे थे। सबसे पहले विजय नगर स्थित अपने पैतृक आवास पहुंचे। पिता डॉ. सुबोध कुमार और मां सत्यवती के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। इस दौरान उन्होंने कुछ लोगों से मुलाकात भी की।पिता डॉ. सुबोध कुमार गुप्ता मुख्य चिकित्सा अधिकारी रह चुके हैं। माता-पिता से मिलने के बाद मुख्य चुनाव आयुक्त डीएम आवास पहुंचे।

यहां दामाद और आगरा डीएम मनीष बंसल से मुलाकात की। बेटी मेधा रूपम नोएडा की डीएम हैं।

पहलगाम के आतंकियों के मोबाइल कराची-लाहौर में डिलीवर हुए थे जिसमे कि बायसरन की जानकारियां थीं

एनआईए ने चीनी कंपनी से जानकारी हासिल की

नई दिल्ली। पहलगाम हमले की जांच कर रही राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बताया कि आतंकियों

के 2 मोबाइल फोन कराची-लाहौर के पते पर डिलीवर हुए थे। दोनों मोबाइल चीनी स्मार्टफोन थे। फोन की फोरेंसिक जांच में सामने आया कि आतंकियों के मोबाइल में बायसरन इलाके की लोकेशन पहले से थी। इलाके की जियोग्राफिकल लोकेशन नेविगेशन एप में रिकॉर्ड थी। लोकेशन के स्क्रीनशॉट फोन में सेव किए गए थे। एनआईए सूत्रों के मुताबिक आतंकियों ने अटैक की तैयारी पहले से कर रखी थी। हमले से करीब एक हफ्ते पहले बायसरन की रेकी की थी। बायसरन इलाके के स्क्रीनशॉट 15 और 16 अप्रैल 2025 को लिए गए थे। 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम से 6किमी दूर बायसरन घाटी में आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की मौत हुई थी। 16 लोग घायल हुए थे। लोगों को उनकी धार्मिक पहचान के आधार पर निशाना बनाया गया था। 24 मईः एनआईए ने बताया- चीन के रास्ते आतंकियों तक पहुंचा गो-प्रो एनआईए ने बताया था कि पहलगाम आतंकी हमले के आरोपी आतंकियों के पास से अमेरिकी कंपनी गो-प्रो का कैमरा बरामद हुआ था, जो चीन के रास्ते लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों तक पहुंचा था। जांच एजेंसी का मानना है कि इस कैमरे का रास्ता समझने से उन नेटवर्कों का खुलासा हो सकता है, जो जम्मू-कश्मीर में सक्रिय आतंकी संगठनों तक फंड, उपकरण और दूसरे संसाधन पहुंचाते हैं। यह हाई-टेक कैमरा पिछले साल जुलाई में पहलगाम हमले के बाद दाचीगाम के जंगलों में हुई मुठभेड़ में मारे गए आतंकियों से बरामद हुआ था। आतंकियों में बॉडी कैमरे का इस्तेमाल बढ़ रहा-एनआईए अधिकारियों के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर में आतंकी संगठन हमलों की रिकॉर्डिंग और बाद में प्रचार के लिए बॉडी कैमरा और एक्शन कैमरा जैसे उपकरणों का इस्तेमाल बढ़ा रहे हैं। आतंकियों के पास कैमरा कैसे पहुंचा, इसके लिए एनआईए ने अमेरिकी कंपनी GoPro Inc. से संपर्क किया। कंपनी ने बताया कि यह कैमरा चीन में हमारे ऑथराइज्ड डिस्ट्रीब्यूटर को भेजा गया था। अब जांच की जा रही है कि चीन से यह कैमरा आतंकियों तक कैसे पहुंचा। अधिकारी गुप्त खरीद नेटवर्क, बिचौलियों और इसमें शामिल लोकल सपोर्ट की जांच कर रहे हैं। 'पहलगाम हमले में पाकिस्तान का हाथ था'- एनआईए ने 15 दिसंबर 2025 को पहलगाम अटैक केस में चार्जशीट दाखिल की थी। इसके डिटेल हाल ही में सामने आई। इसमें खुलासा हुआ है कि कश्मीर के पहलगाम में पिछले साल 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में पाकिस्तान का हाथ था। हमले का मास्टरमाइंड लश्कर-ए-तैयबा आतंकी सैफुल्लाह उर्फ सैफुल्लाह साजिद जट?ट उर्फ लंगड़ा है। जो पाकिस्तान के लाहौर में कसूर में रहता है। साजिद जट्ट ही आतंकियों का मेन हैंडलर था। हमले के दौरान उसने तीनों आतंकियों से लगातार संपर्क बनाए रखा। वह उन्हें रियल टाइम डायरेक्शन दे रहा था। उसने ही हमले वाली जगह बायसरन वैली की लोकेशन भेजी थी।हमले के दौरान भी वह लगातार आतंकियों से बात कर रहा था।

उत्तराखंड में भारत-चीन व्यापार के लिए ट्रेड पास ऑफिस खुला,पहले दिन 20 आवेदन,नार्मल पासपोर्ट से कितना अलग?

पिथौरागढ़। उत्तराखंड के लिपुलेख दर्रे से सात साल बाद भारत-चीन (तिब्बत) व्यापार फिर

शुरू होने जा रहा है। इसके लिए विदेश मंत्रालय से 300 ट्रेड पास मिलने के बाद सोमवार को धारचूला में ट्रेड कार्यालय खोल दिया गया। जिसके बाद पहले ही दिन 20 व्यापारियों ने आवेदन किया। साथ ही गुंजी में कस्टम कार्यालय और बैंक शाखा भी शुरू हो गई है। खास बात यह है कि व्यापारियों को मिलने वाला भारत-तिब्बत ट्रेड पास सामान्य पासपोर्ट की तरह विदेश यात्रा के लिए नहीं, बल्कि सीमित अवधि और तय सीमा क्षेत्र में व्यापार के लिए जारी किया जाने वाला विशेष अनुमति-पत्र है। व्यास घाटी स्थित लिपुलेख दर्रे से सदियों से भारत-तिब्बत के बीच परंपरागत व्यापार होता रहा है। पहले तिब्बती व्यापारी नमक, ऊन और भेड़ लेकर भारत आते थे, जबकि भारतीय व्यापारी तिब्बत की तकलाकोट मंडी में गुड़, मिश्री, अनाज और मसाले लेकर जाते थे। 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद यह व्यापार बंद हो गया था। वर्ष 1991 में इसे फिर शुरू किया गया, लेकिन पिछले सात वर्षों से कारोबार ठप पड़ा था। अब प्रशासनिक तैयारियां पूरी होने के बाद एक बार फिर व्यापारिक गतिविधियां शुरू होने की राह साफ हो गई है। प्रशासन की 3 बड़ी तैयारियां-1. ट्रेड ऑफिस खुला, पहले दिन 20 आवेदन पहुंचे- धारचूला में ट्रेड अधिकारी एवं उपजिलाधिकारी आशीष जोशी ने रिबन काटकर ट्रेड कार्यालय का उद्घाटन किया। कार्यालय खुलते ही भारत-तिब्बत व्यापार के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई। पहले ही दिन 20 व्यापारियों ने ट्रेड पास के लिए आवेदन किया। अधिकारियों ने व्यापारियों के साथ बैठक कर व्यापार से जुड़ी व्यवस्थाओं और नियमों की जानकारी भी दी। 2. एसआईबी जांच के बाद जारी होंगे ट्रेड पास-उपजिलाधिकारी आशीष जोशी ने बताया कि सभी आवेदनों की वाणिज्य कर विभाग की एसआईबी (स्पेशल इन्वेस्टिगेशन ब्रांच) जांच कराई जाएगी। सुरक्षा और अन्य औपचारिक प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद ही व्यापारियों को ट्रेड पास जारी किए जाएंगे।**आगे की खबर पजे संख्या 07 पर..**

टीएमसी विधायकों पर भाजपा जॉइन करने का दबाव,पुलिस उन्हें डरा-धमका रही-ममता बनर्जी

पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में दो एमएलए को निकाला

कोलकाता। बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को फेसबुक पर वीडियो मैसेज जारी कर भाजपा और पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि पुलिस टीएमसी विधायकों पर पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल होने का दबाव बना रही है। ममता ने दावा किया कि कुछ विधायकों और सांसदों को डराने-धमकाने या रिश्वत देकर टीएमसी को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने आगे कहा- जो लोग टीएमसी छोड़कर गए हैं, उनके जाने से पार्टी का भला ही हुआ है। ममता का वीडियो मैसेज टीएमसी के भीतर टूट की खबरों के बीच आया है। पार्टी ने आज अपने दो विधायकों संदीपन साहा और ऋतव्रत बनर्जी को पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में निष्कासित किया है। दोनों पर पार्टी के खिलाफ बयान देने और बैठकों से दूर रहने के आरोप हैं। वीडियो मैसेज में ममता की 4 बड़ी बातें- टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी के साथ जिस तरह का व्यवहार किया गया, वह चौंकाने वाला है। बेले व्यू अस्पताल के डॉक्टरों को बुलाया गया, लेकिन उन्हें इलाज नहीं करने के निर्देश दिए गए। यह कैसा अजीब और तानाशाही रवैया है? बेले व्यू अस्पताल के लोग पहले मेरे पैर छूते थे। आपके बिड़ला और लोढ़ा परिवारों से करीबी संबंध और कारोबारी रिश्ते थे, और आप उनके सामने झुकते थे। हमारे मेयर ने सारी व्यवस्था संभाली थी। छह महीने पहले ही हमने अपोलो अस्पताल का लाइसेंस रिन्यू किया था। टीएमसी ने किसी से पैसे नहीं लिए हैं। हो सकता है कुछ लोग हालात का फायदा उठाते हों, लेकिन वे अब पार्टी छोड़ चुके हैं। उनके जाने से पार्टी का ही भला हुआ है। हम पार्टी को नए सिरे से खड़ा करेंगे। कई लोग लंबे समय तक सत्ता का आनंद लेते रहे। अब जब हम हार गए हैं, तो वे तुरंत दूसरी पार्टी से समझौता करते दिखाई दे रहे हैं। बीजेपी का प्रचार गोएबल्स के प्रचार से भी बदतर है। वे टीएमसी को तोड़ नहीं सकते। टीएमसी नेताओं की नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं की पार्टी है। यह झूठ फैलाया जा रहा है कि पार्टी के बड़े नेता कार्यकर्ताओं का साथ नहीं दे रहे हैं। टीएमसी कार्यकर्ताओं को विरोध प्रदर्शन के लिए घरों से बाहर तक नहीं निकलने दिया जा रहा और पार्टी कार्यालयों में भी तोड़फोड़ की जा रही है। पार्टी से निकाले जाने पर संदीपन बोले- कोई पछतावा नहीं-पार्टी से निकाले जाने के बाद संदीपन साहा ने टीएमसी पर हमला बोलते हुए कहा कि पार्टी में नैतिकता की बात करना ही एंटी-पार्टी गतिविधि माना जाता है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वे किसी अन्य पार्टी में शामिल होंगे, तो उन्होंने कहा- नहीं, ऐसा कुछ नहीं है।

कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर 6 जून को भारत लौटेंगे,शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को लेकर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करेंगे

नयी दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके 6 जून को भारत लौटेंगे। इसके

बाद वे दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करेंगे। इस प्रदर्शन में वे शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग करेंगे। दिपके ने इसकी जानकारी अपने एक्स अकाउंट 'कॉकरोच इज बैक' पर दी है। कॉकरोच जनता पार्टी एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म है, जो भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत की हालिया कॉकरोच टिप्पणी के बाद सामने आया। सीजेपी के इंस्टाग्राम पर 2 करोड़ से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। 30 साल के अभिजीत दिपके महाराष्ट्र के संभाजी नगर के रहने वाले डिजिटल मीडिया स्ट्रैटेजिस्ट हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अभिजीत ने पुणे से पत्रकारिता की पढ़ाई की है। फिलहाल वो अमेरिका की बोस्टन यूनिवर्सिटी में पब्लिक रिलेशन से मास्टर्स की पढ़ाई कर रहे हैं। अभिजीत 2020 से 2022 तक केजरीवाल की आम आदमी पार्टी के सोशल मीडिया स्ट्रैटेजिस्ट रहे हैं। 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनावों में अभिजीत आप के लिए वायरल मीम बेस्ड ऑनलाइन प्रचार का मटेरियल बनाते थे। एक इंटरव्यू में अभिजीत ने बताया कि उन्होंने निजी जिंदगी और आर्थिक स्थिरता के लिए आप छोड़कर बोस्टन यूनिवर्सिटी में अप्लाई किया था। एडमिशन मिल गया, तो वे अमेरिका शिफ्ट हो गए।अभिजीत किसान आंदोलन से लेकर महंगाई जैसे राजनीतिक मुद्दों पर एक्स अकाउंट पर केंद्र सरकार और पीएम पर निशाना साधते रहे हैं। कॉकरोच जनता पार्टी का एक्स अकाउंट अभी बंद-दिल्ली हाईकोर्ट का ने 29 मई को कॉकरोच जनता पार्टी क एक्स अकाउंट से बैन हटाने से इनकार कर दिया था। **आगे की खबर पजे संख्या 07 पर..**

लखनऊ हजरतगंज चौराहे पर चला विशेष अभियान, एचएसआरपी नंबर प्लेट न होने पर कटे चालान, कई वाहन सीज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) (एचएसआरपी) नहीं लगी होने

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के व्यस्ततम हजरतगंज चौराहे पर सोमवार को ट्रैफिक पुलिस ने विशेष जांच अभियान चलाया। अभियान के दौरान हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट पर बड़ी संख्या में वाहनों की जांच की गई।

नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कई वाहन चालकों के चालान काटे गए, जबकि कुछ वाहनों को सीज भी किया गया।

जमीन दिलाने का झांसा देकर लिए लाखों रुपये, अब वापसी पर कर रहा बहानेबाजी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) गौरीगंज/अमेठी। जमीन दिलाने का झांसा देकर तीन लाख रुपये ले लिया अब दो साल से ज्यादा समय हो गया, कुछ रुपये देकर शेष रुपयों के लिए अगले महीने अगले महीने कर बराबर टकराया जा रहा है। झांसे का शिकार शिक्षक अब अपने पैसों के लिए नाक रगड़ने को मजबूर है। जानकारी के अनुसार यह मामला कटरालालगंज गौरीगंज निवासी रिटायर्ड प्रधानाध्यापक के पी सविता (केवल प्रसाद सविता) से गौरीगंज में उसकी मनचाही भूमि दिलवाने के नाम पर झांसा देकर जीतलाल शर्मा निवासी रस्तीपुर रानीगंज प्रतापगढ़ ने अपने बचत खाते संख्या 33124477820 स्टेट बैंक ऑफ इंडिया शाखा रानीगंज प्रतापगढ़ में दिनांक 6-2-2024 को तीन लाख रुपये ट्रांसफर करा लिया था। इसके पूर्व भी वह 2500/-नकद ले चुका था। तय यह हुआ था कि संबंधित जमीन वह जमीन मालिक से ले कर शिक्षक को कुछ रुपये अधिक लेकर उसे रजिस्ट्री कर देगा। संबंधित व्यक्ति शिक्षक / प्रधानाध्यापक का पूर्व परिचित था। दो बार वह शिक्षक के कमरे में रुका भी था। संबंधित व्यक्ति प्लाटिंग का काम करता है। लखनऊ में भी उसने प्लाट दिखलाने ले गया था अपनी चौपहिया गाड़ी

से।विश्वास दिलाने के नाम पर तीन लाख अपने खाते में जमा करा लिया इसके बाद फिर से तीन लाख जमा करने को कहा, अब प्रधानाध्यापक को अपनी भूल का एहसास हुआ कि अब वह फँस गया है अतः उसने कुछ बचत के लिए रजिस्ट्री के दिन तीन लाख नकद देगा ऐसा कहा । इस पर झांसेबाद जीतलाल शर्मा रस्तीपुर रानीगंज प्रतापगढ़ समझ गया तो वह एक हफ्ते बाद का मौका लेकर चला गया।कुछ समय बाद रुपये वापसी की बात होने लगी तो संबंधित व्यक्ति महीने दर महीने टकराने लगा। दो साल से भी ज्यादा हो गये दो तीन बार कुछ परिचितों के दबाव पर कुछ किश्तें पैसों की दिया। बार - बार टकराया जा रहा है। मैसेज का जवाब भी नहीं देते जीतलाल शर्मा। कभार दे देते हैं। फोन पर बात नहीं करते। कभी-कभी बात करते हैं लेकिन अगले महीने अगले महीने देने का आश्वासन देते रहते हैं। इनके दो ह्वाटसप नंबर हैं - 9838626902 और 7905596868 यह दूसरा किसी वकील के नाम पर वी के सिंह लिखा है। पहले नंबर पर इनका फोटो सेट है। इस पर 16 अप्रैल को मैसेज किया शिक्षक ने 7मई को भी कोई उत्तर नहीं। आठ मई को जीतलाल शर्मा ने मैसेज के जरिये कहा कि इस महीने 50000/-भेजूंगा हर हाल। बाकी देखता हूं अगर और हो जायेगा तो कर देंगे इसके लिए निश्चिंत रहिये - - लेकिन महीने के अंत (31मई) तक भी कुछ नहीं भेजा।रिटायर्ड प्रधानाध्यापक के पी सविता की और से जो तीन लाख इनके खाते में जमा किये गये थे जमा रसीद इनके ह्वाटसप नंबर पर अब नहीं दिखती है, शायद डिलीट कर दिये हों?झांसेबाजी के शिकार व्यक्ति को अब यह समझ में नहीं आ रहा है कि वह क्या करे?

ब्यौहारी तहसील में लोकायुक्त का छापा, 75 हजार की रिश्वत लेते सहायक खंड लेखापाल रंगे हाथों गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) शहडोल। जिले के ब्यौहारी तहसील परिसर से भ्रष्टाचार का एक बड़ा मामला सामने आया है, जहां रीवा लोकायुक्त की टीम ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। लोकायुक्त पुलिस ने ब्योहारी तहसील कार्यालय में पदस्थ सहायक खंड लेखापाल लल्लू प्रजापति को 75,000 रूपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी कर्मचारी एक सरकारी मकान से जुड़े मामले को निपटाने और उस पर से अवैध कब्जा हटाने के एवज में पीड़ित से मोटी रकम का सौदा कर रहा था। ?मिली जानकारी के अनुसार, बाणसागर के रहने वाले शिकायतकर्ता रमेश प्रसाद रजक पिता मंगल प्रसाद रजक ने लोकायुक्त कार्यालय रीवा में इस बात की शिकायत दर्ज कराई थी कि तहसील के सहायक खंड लेखापाल लल्लू प्रजापति उनके सरकारी मकान के मामले को रफा-दफा करने के लिए रिश्वत की मांग कर रहे हैं। गौरतलब है कि शिकायतकर्ता रमेश प्रसाद रजक कोई आम नागरिक नहीं, बल्कि नगर परिषद खांड की उपाध्यक्ष सुधा रजक के पति हैं। जनप्रतिनिधि के परिवार से जुड़े होने के बावजूद आरोपी कर्मचारी उन पर लगातार पैसों के लिए दबाव बना रहा

था।?पहले भी ले चुका था 35,000 रूपये एडवांस- लोकायुक्त अधिकारियों ने बताया कि आरोपी लल्लू प्रजापति ने पीड़ित रमेश रजक से सरकारी मकान का मामला पूरी तरह सुलझाने के नाम पर बड़ा सौदा किया था। इस सौदे के तहत आरोपी ने शिकायतकर्ता से पूर्व में ही 35,000 रूपये की राशि एडवांस के रूप में ऐंठ ली थी। इसके बाद भी वह बाकी की रकम के लिए लगातार दबाव बना रहा था, जिससे परेशान होकर पीड़ित ने कानून की मदद लेने का फैसला किया। ?तहसील परिसर में बिछाया गया जाल-शिकायत की पुष्टि होने के बाद लोकायुक्त रीवा की टीम ने ब्योहारी तहसील कार्यालय में घेराबंदी की। तय रणनीति के मुताबिक, जैसे ही रमेश प्रसाद रजक ने आरोपी लल्लू प्रजापति को 75,000 रूपये की नकद राशि थमाई, वैसे ही सादे कपड़ों में मुस्तैद लोकायुक्त की टीम ने धावा बोल दिया। आरोपी को रिश्वत के पैसों के साथ रंगे हाथों दबोच लिया गया और उसके हाथ धुलवाए जाने पर वे गुलाबी हो गए। ?15 दिनों के भीतर दूसरी बड़ी कार्रवाई, हड़कंप- इस कार्रवाई के बाद पूरे तहसील परिसर में अफरा-तफरी मच गई और अन्य कर्मचारियों में हड़कंप देखा गया। ध्यान देने वाली बात यह है कि ब्योहारी में भ्रष्टाचार का यह कोई पहला मामला नहीं है। महज 15 दिन पहले ही लोकायुक्त रीवा की टीम ने ब्योहारी के ब्यौहारी कार्यालय में भी एक अन्य कर्मचारी को रिश्वत लेते हुए दबोचा था। लगातार हो रही इन कार्रवाइयों ने प्रशासनिक हलकों में भ्रष्टाचार की जड़ों को उजागर कर दिया है। फिलहाल लोकायुक्त पुलिस आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रहें।

प्रयागराज फैशन वीक मॉडलिंग का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। संगम नगरी से सजाया और इस शो को अयोजित कराया मिस श्रद्धा

प्रयागराज में पहली बार काफी बड़े स्तर पे (प्रयागराज फैशन वीक) मॉडलिंग का आयोजन किया गया है।जिसका प्रथम चरण का ऑडिशन सेलेश्टियल इन होटल प्रयागराज में 31 मई 2026 को कराया गया जो कि काफी अच्छे से संपन्न हुआ ।। इस शो को स्पॉन्सर किया। ए आर ए ज्वेलर्स और अन्य सहभागियों ने ।। और बच्चों ने काफी अच्छे से बढ़चढ़ के इस शो में हिस्सा लिया और इस शो को अपने हुनर और टैलेंट पूर्वांचल जी ने जो कि इस शो को बनारस से प्रयागराज लेकर आई हुई है और साथ ही आलोक त्रिपाठी जी और श्वेता मोदनवाल जी भी आई है जो कि इस शो को मार्गदर्शन दिए है ।। मॉडलिंग के प्रथम चरण का ऑडिशन लिया मिस यूनिवर्स (अवनी सिंह राजपूत) और मिस्टर इंडिया (ऋषभ चौरसिया) और मिस्टर धीर सिंह और मिस्टर विभाष चटर्जी बतौर मुख्य अतिथि मजूद रहे और इस शो को सफलता पूर्वक संपन्न कराया गया।

रोजगार मेला राजकीय आईटीआई, में AGI GREENPAC LIMITED,HYDERABAD (HINDWARE/SOMANY IMPRESA) के द्वारा साक्षात्कार आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली।राजकीय आई.टी.आई. के प्रधानाचार्य विवेक कुमार तिवारी प्रतिमाह देय तथा रेगुलर होने पर वेतन 17500-25000/- रुपये प्रतिमाह देय होगा। साथ में कंपनी

ने सूचित किया है कि राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान रायबरेली में दिनांक 04/06/2026 को रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है, जिसमW AGI G R E E N P A C LIMITED,HYDERABAD (HINDWARE/SOMANY IMPRESA) कंपनी के लिए के लिए 100 पदों पर भर्ती होगी। इस मेले में ITI (समस्त व्यवसाय)/ DIPLOMA/B.TECH(Mechanical / Electrical/Electronic) से उत्तीर्ण अभ्यर्थी जिनकी उम्र सीमा कंपनी ट्रेनी हेतु 18 से 33 वर्ष है ,को CS स्टाइपेंड 15000/- रुपये के नियमानुसार कैंटीन की सुविधा वर्दी जूता अन्य मुफ्त में देय है। ऐसे ट्रेनीज जो वर्ष 2026 में अंतिम वर्ष की परीक्षा में बैठ रहे वे भी पात्र है.इच्छुक अभ्यर्थी अपना संक्षिप्त बायोडाटा सभी अंक पत्रों एवं तकनीकी प्रमाण पत्रों की छाया प्रति आधार कार्ड,बैंक पासबुक की फोटो कॉपी, पुलिस सत्यापन रिपोर्ट,(यदि उपलब्ध है तो)लेकर प्रातः 09:00 बजे से 3:00 बजे तक सम्मिलित हो सकते हैं चयन प्रक्रिया लिखित व साक्षात्कार के माध्यम से होगा।

रायबरेली जिला कलेक्ट्रेट मिनिस्ट्रियल एसोसिएशन की ओर से जिलाधिकारी को धन्यवाद ज्ञापित किया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली- रायबरेली जिला अध्यक्ष द्वारा अवगत कराया गया कि इस प्रक्रिया से कर्मचारियों में

कलेक्ट्रेट मिनिस्ट्रियल एसोसिएशन द्वारा इस वर्ष किए गए मिनिस्ट्रियल प्रशासन के प्रति विश्वास, संतुष्टि एवं कार्य के प्रति नई ऊर्जा का संचार

संवर्ग के स्थानांतरणों में अपनाई गई पारदर्शी, निष्पक्ष एवं मानवीय प्रक्रिया के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया गया। कर्मचारियों को उनके द्वारा स्वेच्छा से अनुरोध किए गए तैनाती स्थल पर ही स्थानांतरण का अवसर प्राप्त हुआ है। मिनिस्टीरियल एसोसिएशन के हुआ है। इस अवसर पर अध्यक्ष पवन कुमार श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष जय सिंह, जितेंद्र बहादुर सिंह, मंजू गुप्ता, विनय सोनकर, भारत लाल सरोज, दीना गुप्ता, शिशु पाल, नीलम, हिमांशु गुप्ता, रामेन्द्र मिश्रा, प्रदीप सिंह, अंजू सोनी आदि उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने विकास खण्ड राही में तीन दिवसीय विकास प्रदर्शनी का किया शुभारंभ

जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों एवं उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनेगी प्रदर्शनी - डीएम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने आज विकास खण्ड माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को विभिन्न विभागों की योजनाओं, उपलब्धियों एवं सेवाओं की

राही परिसर में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित केन्द्र सरकार व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों, उपलब्धियों तथा प्रदेश एवं जनपद में स्थापित किए गए नए कीर्तिमानों पर आधारित तीन दिवसीय प्रदर्शनी का फीता जानकारी प्रदान की जाए, जिससे पात्र लाभार्थी योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। जिलाधिकारी ने आमजन से भी प्रदर्शनी का अवलोकन कर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों की जानकारी प्राप्त करने का आह्वान किया। प्रदर्शनी में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित

काटकर शुभारंभ कर प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने प्रदर्शनी में लगाए गए विभिन्न विभागों के स्टॉलों का निरीक्षण किया तथा वहां प्रदर्शित योजनाओं एवं विकास कार्यों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार की संचालित विभिन्न जनहितकारी एवं कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। ऐसी प्रदर्शनियां आमजन को योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने तथा उन्हें योजनाओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदर्शनी के योजनाओं, विकास परियोजनाओं, महिला एवं बाल कल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, ग्रामीण विकास, स्वरोजगार, सामाजिक सुरक्षा एवं अन्य जनहितकारी कार्यक्रमों से संबंधित जानकारी आकर्षक ढंग से प्रदर्शित की गई है। प्रदर्शनी आगामी तीन दिनों तक आमजन के लिए खुली रहेगी। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट राम अवतार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह, खण्ड विकास अधिकारी राही संदीप सिंह, अति0 जिला सूचना अधिकारी कौशलेन्द्र सिंह सहित सूचना विभाग के कर्मचारी व मीडिया संस्थान के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

यूपी सहित 24 राज्यों में आंधी-बारिश, गर्मी से राहत,आगरा में बारिश से सड़कें धंसी, मकान ढहा

मानसून 2-3 दिन में केरलम पहुंचेगा

लखनऊ। देश के 23 राज्यों में जून की शुरुआत गर्मी से राहत लेकर आई। दिल्ली, उत्तर प्रदेश,

राजस्थान, पंजाब, मध्य प्रदेश, हरियाणा और बिहार के कई इलाकों में बारिश, आंधी और ओलावृष्टि हुई। इससे तापमान सामान्य से नीचे दर्ज किया गया। उत्तर प्रदेश के आगरा में मंगलवार सुबह एक घंटा तेज हवा चली और बारिश हुई। इससे कई इलाकों में घुटनों तक पानी भर गया। कई जगह सड़कें धंस गईं। फुटपाथ धंसने से 25 फीट का गड्?ढा बन गया। एक मकान का अगला हिस्सा गिर गया। दिल्ली में 1 जून का दिन पिछले तीन सालों की तुलना में सबसे ठंडा रहा। सफदरजंग में अधिकतम तापमान 36.3डिग्री रहा, जो सामान्य से 3.7डिग्री कम है। उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश में भी बारिश और बादल छाने से लोगों को गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग के मुताबिक दक्षिण-पश्चिम मानसून अगले 2 से 3 दिनों में केरलम पहुंच सकता है। पहले 26 मई को मानसून पहुंचने का अनुमान लगाया गया था। मानसून आमतौर पर 1 जून के आसपास केरलम पहुंचता है और अगले डेढ़ महीने में पूरे देश को कवर करता है। आगामी मौसम का हाल- 3 जून: पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कई हिस्सों में 40-50किमी/घंटा की रफ्तार से हवा चल सकती है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार के कुछ क्षेत्रों में बारिश और आंधी की स्तिथि रह सकती है। केरलम, कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी और आंध्र प्रदेश में बारिश का अनुमान है। तटीय क्षेत्रों में कहीं-कहीं तेज बारिश भी हो सकती है। असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बारिश और आंधी-तूफान का असर रहेगा। 4 जून:-मध्य प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, कर्नाटक, लक्षद्वीप, तमिलनाडु, पुडुचेरी में भारी बारिश हो सकती है। केरलम में बहुत ज्यादा बारिश होने का अनुमान है। गुजरात, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, पंजाब, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, राजस्थान, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में 40 से 60 किमी प्रति घंटा की रफ्तार वाली तेज आंधी चल सकती है। अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, सिक्किम में कुछ जगहों पर गर्म और उमस भरा मौसम रहेगा। बिहार में लू (हीट वेव) चलने की आशंका है।

प्रयागराज में पति-पत्नी और बेटी की हत्या-बेटा लापता,बदबू आने पर पता चला

प्रयागराज। शहर शांत रहते-रहते अचानक से अनहोनी हो ही जाती हैं इस बार भी ऐसा ही कुछ हुआ ट्रिपल

मर्डर की वारदात हुई है। पति-पत्नी और उनकी 40 साल की बेटी की हत्या कर दी गई। तीनों की लाश घर के अंदर मिली है। जबकि बाहर से घर का ताला बंद था। मंगलवार दोपहर घर से बदबू आई तो पड़ोसियों को शक हुआ। पड़ोसियों ने दरवाजा खटखटाया, आवाज लगाई। लेकिन, कोई रिस्पांस नहीं मिला। पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस गेट तोड़कर अंदर पहुंची। कमरे में तीनों की लाश मिली। तीनों के सिर पर गहरा जख्म था। आसपास बहा खून सूख चुका था। डीसीपी सिटी मनीष कुमार शांडिल्य ने बताया कि बेड पर वीरेंद्र कुमार वैश्य (70), उनकी पत्नी अंकिता (62) और बेटी मीनाक्षी (40) की लाश पड़ी हुई थी। वीरेंद्र का 38 साल बेटा अभिषेक भी है। वह लापता है। उसके बारे में कुछ पता नहीं चल पाया है। वारदात साउथ मलाका में हीवेट रोड चौराहा की है। वीरेंद्र कुमार वैश्य कारोबारी थे। चौराहे पर ही उनके दो मंजिला मकान के निचले हिस्से में 14 दुकानें हैं। 13 दुकानें किराए पर हैं। ऊपरी हिस्से में वह परिवार के साथ रहते थे। परिवार में पत्नी, बेटी बेटे के अलावा एक छोटा बेटा था, जो कि कई सालों पहले लापता हो गया था। एक दुकान अविवाहित बेटी मीनाक्षी चलाती थी। वह गिफ्ट से जुड़े सामान बेचती थी। उसी दुकान पर खुद वीरेंद्र वैश्य भी बैठा करते थे। बेटा अभिषेक फ्लोर क्लीनिंग के काम से जुड़ा है। पड़ोसियों ने बताया कि वह तीन-चार दिन से नजर नहीं आया है।मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची तो निचली मंजिल से ऊपर जाने का रास्ता खुला था। ऊपर पहुंचने पर वहां गेट बंद मिला। बाहर से ताला लगा था। पुलिस ताला तुड़वाकर ऊपरी मंजिल पर पहुंची। पुलिस ने फॉरेसिक और डॉग डॉग स्क्वॉड की टीम को मौके पर बुलाया। तीनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस सबसे पहले बेटे अभिषेक का पता लगाने की कोशिश कर रही है। उसके मोबाइल पर कॉल की तो वह बंद मिला।

अ. मैथिली परिषद ने मंत्री चिराग पासवान को पग पहना कर स्वागत किया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। नई दिल्ली के पंचशील भवन में अंतरराष्ट्रीय मैथिली परिषद केर कोई मजबूत संगठन या राजनीत पार्टी नहीं है इसके लिए अध्यक्ष चिराग पासवान जी से आग्रह किया तकनीक दिलाने के लिए मखाना बोर्ड के गठन की दिशा में कार्य किया। शैक्षणिक संस्थानः बिहार में राष्ट्रीय

अध्यक्ष शैलेन्द्र मिश्रा ने अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष वर्तमान में भारत सरकार के केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री और बिहार के हाजीपुर निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा सांसद चिराग पासवान से मुलाकात किया। अध्यक्ष शैलेन्द्र मिश्रा ने चिराग पासवान को मिथिला पाग,गमक्षा एवं मिथिलारत्न से सम्मनित किया एवं अध्यक्ष जी माननीय मंत्री जी के साथ बैठक किया जिसमे नोएडा दिल्ली एनसीआर में बिहार ,मिथिलांचल, पूर्वांचल के लोग लगभग 50 से 60 लाख से ऊपर निवास करता है जिसको आये दिन कोई भी बिहारी पूछ कर गोली मार कर हत्या कर देते है और कहता है तुम बिहारी हो एवं बिहार ,मिथिलांचल, पूर्वांचल के लोगो के साथ नोएडा दिल्ली एनसीआर में काफी अत्याचार हो रहा है इनका की नोएडा दिल्ली एनसीआर में अपने राजनितिक पार्टी को विस्तार कर एनसीआर में बिहार ,मिथिलांचल, पूर्वांचल के निवासियों को एक सूत्र में बांधकर सभी का नेतृत्र करे जिससे यहाँ पर सभी लोग सुरक्षित रहेंगे एवं पार्टी का भी विस्तार होगा सभी बातो को मंत्री जी ने संज्ञान में लिया और कहा बहुत जल्द ही इस विषय पर काम करूँगा फिर अध्यक्ष मैथिलि समन्धित कई समस्या रखा एवं औद्योगिक निवेशः आप के नेतृत्व में मंत्रालय विभिन्न राज्यों, विशेषकर बिहार में खाद्य प्रसंस्करण कंपनियों द्वारा हजारों करोड़ के निवेश और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा मिला है इसको और विस्तार करने की जरुरत हैं जिससे बिहार में पलायन रुक सकता है मखाना बोर्ड का गठनः बिहार के मखाना उत्पादकों (जो विश्व उत्पादन का लगभग 92फीसदी हिस्सा है) को सही मूल्य और उन्नत खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता और प्रबंधन संस्थान की स्थापना के लिए आवश्यकता के अनुसार इनका लाभ उठा सकते हैं। यह पहल

जगनेश भारद्वाज को अखंड भारत हिन्दू सेना ने उत्तर प्रदेश का प्रदेश महामंत्री नियुक्त किया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। अखण्ड भारत हिन्दू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपक शर्मा कौशल से उत्तर प्रदेश में संगठन का विस्तार होगा तथा हिन्दुत्व एवं राष्ट्रहित के कार्यों को नई दिशा

आजाद ने संगठन को प्रदेश स्तर पर और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से जगनेश भारद्वाज को उत्तर प्रदेश का प्रदेश महामंत्री नियुक्त किया है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपक शर्मा आजाद ने कहा कि जगनेश भारद्वाज लंबे समय से सामाजिक, धार्मिक एवं राष्ट्रहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। संगठन को विश्वास है कि उनके नेतृत्व एवं संगठनात्मक मिलेगी। नवनियुक्त प्रदेश महामंत्री जगनेश भारद्वाज ने संगठन नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन द्वारा सौंपे गए दायित्व का पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे तथा प्रदेशभर में संगठन को मजबूत बनाने के लिए कार्य करेंगे। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल एवं सफल कार्यकाल की कामना की।

देव रियल्टी वेंचर्स ने नए विज्ञापन अभियान के लिए मूलरूप से हमारे शहर प्रयागराज के रहने वाले मॉडल विनय पाण्डेय के साथ मिलाया हाथ, गुरुग्राम में दिखेगी लग्जरी की नई परिभाषा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नई दिल्ली/गुरुग्राम। रियल

एस्टेट क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनी देव रियल्टी वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड (Dev Reality Ventures Pvt. Ltd.) ने अपने आगामी प्रीमियम रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट्स के लिए एक नए और बेहद आकर्षक विज्ञापन अभियान (Ad Campaign) की घोषणा की है। इस खास कैंपेन के मुख्य चेहरे के रूप में मशहूर मॉडल विनय पाण्डेय नजर आएंगे। यह विज्ञापन अभियान मुख्य रूप से हरियाणा के गुरुग्राम (Gurugram) के केंद्र में स्थित कंपनी के एक्सक्लूसिव आवासीय प्रोजेक्ट्स पर केंद्रित है। इस प्रोजेक्ट के जरिए आधुनिक आर्किटेक्चरल डिजाइन और शांतिपूर्ण, हाई-एंड सुविधाओं के अनूठे संगम को पेश किया जाएगा, जो शहर की भागदौड़ के बीच एक आलीशान सुकून का अहसास कराएगा।

कैंपेन की मुख्य विशेषताएंः- आलीशान लाइफस्टाइलः इस प्रोजेक्ट में रूफटॉप इन्फिनिटी पूल (Rooftop Infinity Pools) और अपार्टमेंट्स से शहर के लुभावने पैनोरैमिक व्यूज (Panoramic City Views) देखने को मिलेंगे। अत्याधुनिक विजनः कंपनी का मुख्य उद्देश्य आधुनिक सफल पेशेवरों (Modern Achievers) के लिए एक ऐसा आशियाना तैयार करना है, जो भव्यता और आराम की परिभाषा को नए सिरे से तय करे। लोकेशनः गुरुग्राम के सबसे प्राइम और कनेक्टिविटी से भरपूर इलाके।

देव रियल्टी वेंचर्स का यह नया प्रोजेक्ट न केवल रहने के तौर-तरीकों को अपग्रेड करेगा, बल्कि गुरुग्राम की स्काईलाइन को भी एक नई पहचान देगा। अगर आप भी आधुनिक लग्जरी और शांति का एक सटीक संतुलन तलाश रहे हैं, तो आपका इंतजार अब खत्म होने वाला है।

बायोफ्यूल एक्सपो 2026 ग्रेटर नोएडा में दुनिया भर के बायोफ्यूल और रिन्यूएबल एनर्जी लीडर्स को एक साथ लाएगा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। ग्रेटर नोएडा बायोफ्यूल एक्सपो 2026, बायोफ्यूल और एग्ज़िबिटर के आने और भारत और इंटरनेशनल मार्केट से 20,000 से ज़्यादा बिज़नेस 2026, वर्ल्ड एनवायरनमेंट एक्सपो 2026, रूफटॉप सोलर एक्सपो 2026, बायोडिग्रेडेबल

रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर के लिए भारत का सबसे बड़ा बिज़नेस और नेटवर्किंग प्लेटफ़ॉर्म, 04-06 जून 2026 तक इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश में होगा। यह आयोजन इंडियन एग्ज़िबिशन सर्विसेज़ (आईईएस) और ग्रीन सोसाइटी ऑफ़ इंडिया (जीएसआई) मिलकर ऑर्गनाइज़ कर रहे हैं। दुनिया भर के इंडस्ट्री लीडर्स, पॉलिसीमेकर्स, इन्वेस्टर्स, टेक्नोलॉजी प्रोवाइडर्स, रिसर्चर्स और सस्टेनेबिलिटी प्रोफेशनल्स को एक साथ लाकर, बायोफ्यूल एक्सपो 2026 क्लीन एनर्जी सेक्टर में कोलेबोरेशन, इनोवेशन और बिज़नेस ग्रोथ के लिए एक गतिशील प्लेटफ़ॉर्म के तौर पर काम करेगा। इस एग्ज़िबिशन में बायोडीज़ल, इथेनॉल, बायोगैस, कम्प्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी), बायोमास, ग्रीन हाइड्रोजन, सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल (एसएएफ), बायोफ्यूल प्रोडक्शन टेक्नोलॉजी, प्लांट मशीनरी और एलाइड इंडस्ट्रीज़ जैसे कई खंड में लेटेस्ट टेक्नोलॉजी, प्रोडक्ट और सॉल्यूशन दिखाए जाएंगे। इस आयोजन में 200 से ज़्यादा विज़िटर के आने की उम्मीद है। एक्सपो का एक बड़ा आकर्षण इंडिया बायोफ्यूल मीट 2026 होगा, जो 05 जून 2026 को 'स्केलिंग बायोफ्यूलः इंडस्ट्री, इंफ्रास्ट्रक्चर और इन्वेस्टमेंट' थीम के तहत होगा। यह सम्मेलन पॉलिसीमेकर, इंडस्ट्री एक्सपर्ट, इन्वेस्टर और टेक्नोलॉजी इनोवेटर को एक साथ लाएगी ताकि बायोफ्यूल और क्लीन एनर्जी के भविष्य को आकार देने वाले उभरते मौकों, पॉलिसी फ्रेमवर्क, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट और निवेश रणनीति पर चर्चा की जा सके। इस आयोजन में वर्ल्ड एनवायरनमेंट कॉन्फ्रेंस 2026 भी होगा, जो सस्टेनेबिलिटी, क्लाइमेट एक्शन, रिन्यूएबल एनर्जी, एनवायरनमेंटल टेक्नोलॉजी और सर्कुलर इकॉनमी जैसे विभिन्न विषयों पर ध्यान केंद्रित होगा। इसके अलावा, ग्लोबल बायोफ्यूल अवार्ड्स 2026 बायोफ्यूल और रिन्यूएबल एनर्जी इंडस्ट्री में शानदार उपलब्धियों, इनोवेशन और लीडरशिप का जश्न मनाएगा। इंडस्ट्री एंगेजमेंट बढ़ाने और बड़े बिज़नेस के मौके बनाने के लिए, बायोफ्यूल एक्सपो और कम्पोस्टेबल एक्सपो 2026, बैटरी एशिया एक्सपो 2026 और वर्ल्ड ऑफ़ रीसाइक्लिंग एक्सपो 2026 एक साथ आएंगे। ये एक साथ होने वाले आयोजन मिलकर भारत के सबसे बड़े इंटीग्रेटेड प्लेटफॉर्म में से एक बनेंगे जो रिन्यूएबल एनर्जी, सस्टेनेबिलिटी, एनवायरनमेंटल टेक्नोलॉजी, रीसाइक्लिंग और सर्कुलर इकॉनमी सॉल्यूशंस के लिए समर्पित हैं। बायोफ्यूल एक्सपो 2026 का मकसद बिज़नेस नेटवर्किंग, नॉलेज एक्सचेंज, टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप और इन्वेस्टमेंट के मौकों को बढ़ावा देकर इंडस्ट्री की ग्रोथ को तेज़ करना है, साथ ही भारत को एक साफ, ज़्यादा सस्टेनेबल और कम कार्बन वाले भविष्य की ओर ले जाने में मदद करना है। आगंतुकों की सुविधा के लिए, एग्ज़िबिशन के दौरान बॉटनिकल गार्डन मेट्रो स्टेशन (गेट नंबर 4 पार्किंग) और इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा के बीच मानार्थ शटल सर्विस चलेंगी। शटल का पूरा शेड्यूल और ट्रैवल की जानकारी ऑफिशियल इवेंट वेबसाइट पर मिलेगी।

नोएडा प्राधिकरण के सहयोग से बचपन बचाओ सेवा समिति द्वारा पियाऊ एवं मानवता की दीवार का शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। भीषण गर्मी में आमजन

को राहत पहुंचाने तथा जरूरतमंद लोगों की सहायता के उद्देश्य से नोएडा प्राधिकरण के सहयोग एवं बचपन बचाओ सेवा समिति (एनजीओ) के प्रयासों से सेक्टर-62 स्थित फोर्टिस अस्पताल के समीप तथा सेक्टर-62 डी-पार्क के पास पियाऊ एवं मानवता की दीवार का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन नोएडा प्राधिकरण की अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी (एसीईओ) श्रीमती वंदना त्रिपाठी(आईएएस) एवं ओएसडी इंदु प्रकाश (पीसीएस) द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर वर्क सर्किल-4 के सीनियर मैनेजर प्रदीप साहू, जल विभाग के सीनियर मैनेजर श्री अशोक वर्मा, मैनेजर श्री वैभव नगर, अवर अभियंता राजेश कुमार सिंह सहित नोएडा प्राधिकरण के अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।उद्घाटन अवसर पर श्रीमती वंदना त्रिपाठी ने कहा कि बचपन बचाओ सेवा समिति का यह प्रयास अत्यंत सराहनीय एवं जनहितकारी है। भीषण गर्मी के इस दौर में पियाऊ की व्यवस्था से राहगीरों एवं आम नागरिकों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध होगा, जिससे उन्हें काफी राहत मिलेगी। उन्होंने संस्था द्वारा समाजहित में किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए भविष्य में भी ऐसे जनकल्याणकारी प्रयास जारी रखने की अपेक्षा व्यक्त की। ओएसडी इंदु प्रकाश ने कहा कि 'मानवता की दीवार' एक उपयोगी एवं मानवीय पहल है। इसके माध्यम से जिन लोगों के पास अतिरिक्त कपड़े, पुस्तकें, कॉपियां एवं अन्य उपयोगी सामग्री उपलब्ध है, वे उन्हें यहां रख सकते हैं तथा जरूरतमंद लोग अपनी आवश्यकता के अनुसार इनका लाभ उठा सकते हैं। यह पहल समाज में सहयोग, संवेदनशीलता एवं परोपकार की भावना को मजबूत करेगी। बचपन बचाओ सेवा समिति के अध्यक्ष कैलाश शाह एवं महासचिव गौरव कुमार यादव ने नोएडा प्राधिकरण का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्राधिकरण के सहयोग से संस्था निरंतर जनहित एवं समाजसेवा के कार्यों को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने बताया कि संस्था का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा से जोड़ना तथा उनकी पढ़ाई में हरसंभव सहायता उपलब्ध कराना है।महासचिव श्री गौरव कुमार यादव ने जानकारी दी कि संस्था द्वारा बच्चों की शिक्षा संबंधी समस्याओं के समाधान हेतु एक हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया गया है, जिसके माध्यम से सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि बचपन बचाओ सेवा समिति जरूरतमंद बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए तन, मन एवं धन से समर्पित है। संस्था के राष्ट्रीय सचिव एम.एल. यादव एवं अजय कुमार सिंह ने बताया कि उद्घाटन समारोह के उपरांत संस्था की ओर से राहगीरों एवं आमजन के बीच शरबत वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में संस्था के पदाधिकारियों एवं समाजसेवियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। प्रमुख रूप से कैलाश शाह (अध्यक्ष), सुरेश शाह (उपाध्यक्ष), गौरव कुमार यादव (महासचिव), मनोज कुमार जायसवाल (कोषाध्यक्ष), एम.एल. यादव (राष्ट्रीय सचिव), अजय कुमार सिंह, (राष्ट्रीय सचिव) बरकत अली (अध्यक्ष, रेडी-पटरी संगठन), अली अकबर (महासचिव), मोहम्मद कलाम, विवेक सिंह, दिलीप प्रजापति, मुरली, मीना देवी, शैलेश श्रीवास्तव, टी.एन. झा, रामबाबू सुवेनदु सिन्हा, संजय गुप्ता, सोनू शर्मा, उमेश सिंह, सरोज गुप्ता ,राहुल ,आकाश ,प्रिंस ,विजय भान सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कोषाध्यक्ष मनोज जायसवाल ने कहा कि-'बचपन बचाओ सेवा समिति द्वारा संचालित यह पहल समाज में सेवा, सहयोग एवं मानवता की भावना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे जरूरतमंद लोगों को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा तथा सामाजिक सहभागिता को नई मजबूती मिलेगी।

डीएम की अध्यक्षता में जिला वृक्षारोपण समिति की बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला वृक्षारोपण समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में आगामी वृक्षारोपण अभियान की तैयारियों एवं लक्ष्यों की समीक्षा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि वृहद वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत जनजागरूकता को विशेष प्राथमिकता दी जाए तथा अधिक से अधिक संख्या में पौधे रोपे जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति के साथ-साथ सुरक्षित परिसरों वाले सरकारी कार्यालयों एवं अन्य संस्थानों में भी बड़े पैमाने पर पौधारोपण कराया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि आगामी 05 जून, विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जनपद में व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। कार्यक्रमों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित कर उनकी सहभागिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सिंचाई, कृषि, पशुपालन, शिक्षा, ग्राम्य विकास, पंचायती राज, बाल विकास एवं पुष्टाहार, मनरेगा सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों को वृक्षारोपण हेतु उपयुक्त भूमि चिन्हित करने के निर्देश दिए। साथ ही गंगा एवं सई नदी के उपयुक्त तटबंधों पर विशेष रूप से पौधारोपण कराने को कहा। जिलाधिकारी ने जनपद की गौशालाओं में भी व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण कराने के निर्देश देते हुए कहा कि वहां छायादार वृक्षों के पौधे लगाए जाएं, जिससे गोवंश को पर्याप्त छाया उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण के बाद पौधों की सुरक्षा एवं नियमित सिंचाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि लगाए गए पौधे सुरक्षित रह सकें और उनका समुचित विकास हो सके।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल द्वारा पत्र भेजा गया,ककोड की घटना खाकी वर्दी को शर्मशार कर दिया - विकास जैन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सिकंदराबाद के कस्बा ककोड में चेकिंग के दौरान एक पुलिस अधिकारी द्वारा स्थानीय व्यापारी पर पिस्टल तानने और अभद्र भाषा का प्रयोग करने का मामला अब पूरी तरह गरमा गया है। इस शर्मनाक घटना को लेकर पूरे प्रदेश के व्यापारियों में भारी आक्रोश है। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन, प्रदेश उपाध्यक्ष निखिल अग्रवाल और कानपुर से प्रभारी कपिल सब्बरवाल ने इस प्रकरण की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से दोषी अधिकारी के खिलाफ तत्काल और कठोर कार्रवाई की मांग की है। 'खाकी का यह रूप बेहद शर्मनाक, बर्दाश्त नहीं करेगी व्यापारी जनता' -

विकास जैन मामले पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए युवा व्यापार मंडल के मुखिया विकास जैन ने कहा कि ककोड में जो कुछ भी हुआ, वह कानून व्यवस्था और खाकी को शर्मसार करने वाला है। जांच के नाम पर किसी प्रतिष्ठित व्यापारी को सरेआम गालियां देना और उस पर सरकारी पिस्टल तान देना सीधे तौर पर तानाशाही है। निखिल अग्रवाल और कपिल सब्बरवाल ने उठाई निलंबन की मांग-संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष निखिल अग्रवाल और कानपुर से प्रभारी कपिल सब्बरवाल ने भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से न्याय की गुहार लगाते हुए कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी लगातार प्रदेश में 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' और व्यापारियों के सम्मान की बात करते हैं, लेकिन कुछ निरंकुश अधिकारी सरकार की मंशा पर पानी फेर रहे हैं। दोनों पदाधिकारियों ने मांग की है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषी पुलिस अधिकारी को तुरंत सस्पेंड किया जाए और उस पर कानूनी मुकदमा दर्ज हो। विकास जैन, निखिल अग्रवाल और कपिल सब्बरवाल ने संयुक्त रूप से स्पष्ट किया कि व्यापारी समाज पुलिस के इस दमनकारी रवैये के आगे झुकेगा नहीं और पीड़ित व्यापारी को न्याय दिलाने के लिए उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल आखिरी दम तक लड़ाई लड़ेगा।

आईएमएस नोएडा में बियॉन्ड क्लासरूम कार्यक्रम की शुरुआत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। बदलते शिक्षा और रोजगार परिदृश्य में विद्यार्थियों को भविष्य के लिए तैयार करने के उद्देश्य से आईएमएस नोएडा में बियॉन्ड क्लासरूम कार्यक्रम शुरु की गयी। सेक्टर-62 स्थित संस्थान परिसर में आयोजित पैनल डिस्कशन के दौरान शिक्षा जगत के विशेषज्ञ, विद्यालयों के प्रधानाचार्य तथा आईएमएस नोएडा के वरिष्ठ शिक्षाविद, छात्रों के साथ भविष्य के करियर, कौशल विकास और नई शिक्षा नीति से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। पैनल के दौरान महर्षि विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य उमेश सिंह, शिक्षाविद् एवं लेखिका डॉ. भावना शर्मा, शिक्षाविद विनीश वार्ष्णेय, आईएमएस नोएडा की डीन डॉ. वर्तिका चतुर्वेदी एवं प्रो. राशि गर्ग ने भविष्य की चुनौतियों और अवसरों चर्चा कर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। चर्चा के दौरान पढ़ाई और अपने दीर्घकालीन करियर लक्ष्यों के बीच संतुलन बनाने पर अपना विचार प्रकट करते हुए उमेश सिंह ने कहा कि सोशल मीडिया से दूर भागने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि उसका समझदारी और उद्देश्यपूर्ण उपयोग करना आवश्यक है। समय प्रबंधन, कौशल विकास और स्पष्ट करियर लक्ष्य ही विद्यार्थियों को भविष्य की सफलता की ओर ले जाते हैं। रोजगार पाने के लिए डिग्री महत्वपूर्ण है या कौशल का उत्तर देते हुए डॉ. भावना शर्मा ने कहा कि डिग्री महत्वपूर्ण है, लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है वह वातावरण,

अवसर और मार्गदर्शन जो कॉलेज प्रदान करता है। सही कॉलेज और सही कौशल का संयोजन ही विद्यार्थियों को भविष्य के प्रतिस्पर्धी रोजगार बाजार में सफल बनाता है। बदलते समय में कुछ कंपनियों ने कुछ पदों के लिए डिग्री संबंधी अनिवार्यता कम कम किया है, इस विषय पर अपना विचार प्रकट करते हुए विनीश वार्ष्णेय ने कहा कि अंक हमेशा महत्वपूर्ण रहेंगे। अच्छे अंक आपको अवसरों के प्रारंभिक द्वार तक पहुँचाने में मदद करते हैं। लेकिन कॉलेज में प्रवेश के बाद परिस्थितियां बदल जाती हैं। वर्ष 2026 का नियोक्ता केवल यह नहीं पूछता कि आपके कितने प्रतिशत अंक हैं। वह जानना चाहता है कि क्या आप समस्याओं का समाधान कर सकते हैं? क्या आप प्रभावी ढंग से संवाद कर सकते हैं? क्या आप टीम में कार्य कर सकते हैं? क्या आप नई परिस्थितियों और तकनीकों के अनुसार स्वयं को ढाल सकते हैं? आज के कार्यक्रम का समापन करते हुए डॉ. वर्तिका चतुर्वेदी ने कहा कि अच्छे अंक महत्वपूर्ण है, लेकिन वास्तविक सफलता उन कौशलों से मिलती है जो आपको ज्ञान को व्यवहार में बदलने की क्षमता प्रदान करते हैं।

सोनभद्र की कवयित्री डॉक्टर रचना तिवारी को मिला विंध्य गौरव सम्मान

मिर्जापुर में हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर किया गया सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। प्रथम हिंदी समाचार पत्र उदंत मार्तंड के 200 साल पूरे होने के अवसर पर पूरे देश में 30 मई 2026 को पत्रकारिता दिवस के रूप में मनाया गया। इस संदर्भ में हिंदी पत्रकारिता दिवस एवं विंध्य गौरव सम्मान समारोह 2026 का आयोजन एक जून 2026 सोमवार को मिर्जापुर में आयोजित किया गया। इस समारोह में साहित्य, कला, शिक्षा, सामाजिक जागरूकता इत्यादि के क्षेत्र में कई विभूतियों के साथ सोनभद्र की हिंदी की जानी-मानी लेखिका, कवयित्री, शायर और आलोचक व

समाजसेवी डॉ रचना तिवारी को विंध्य गौरव सम्मान 2026 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि एवं मिर्जापुर के प्रधान न्यायाधीश, (परिवार न्यायालय) संजय कुमार शुक्ला ने प्रदान किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि अपर आयुक्त विंध्याचल मंडल डॉक्टर विश्राम, डीएम पवन कुमार गंगवार,एसपी अपर्णा रजत कौशिक, प्रोफेसर डॉक्टर संजीव सिंह, डीएफओ राकेश कुमार, विंध्य मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य तथा मिर्जापुर सोनभद्र और विंध्य क्षेत्र के सैकड़ो समाजसेवी, संस्कृति कर्मी, अध्यापक, छात्र, पत्रकार और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। बता दें कि डॉ रचना तिवारी हिंदी साहित्य की जानी-मानी कवयित्री, शायर और लेखिका हैं तथा इनकी एक दर्जन से ज्यादा पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं और देश के हजारों मंचों पर इन्होंने कविताएं पढ़ी हैं और व्याख्यान दिए हैं। डॉक्टर रचना तिवारी इससे पूर्व दर्जनों राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मानों से विभूषित हो चुकी हैं। हाल ही में आई उनकी कृति मेरे गीत तुम ही से जन्मे और सपनों की उम्र नहीं होती हिंदी जगत में खासा चर्चित रही है। मिर्जापुर की धरती पर विंध्य गौरव सम्मान पाकर डॉक्टर रचना तिवारी ने जनपद का मान बढ़ाया है।

आईजीआरएस शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण पर जिलाधिकारी ने की समीक्षा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त जनशिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण को लेकर जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित लंबित एवं निस्तारित शिकायतों की प्रगति का विस्तृत समीक्षा किए। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शिकायतों के निस्तारण में केवल औपचारिकता न बरती जाए, बल्कि शिकायतकर्ता की समस्या का वास्तविक समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई एवं आईजीआरएस के माध्यम से प्राप्त शिकायतें शासन की प्राथमिकताओं में शामिल हैं, इसलिए इनके निस्तारण में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने विभागवार लंबित प्रकरणों की जानकारी प्राप्त की तथा संबंधित अधिकारियों को लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि शिकायतों का पुनः संदर्भीकरण न हो और आमजन को संतोषजनक समाधान प्राप्त हो सके। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जवाबदेही तय की जाएगी तथा आवश्यकतानुसार उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई भी की जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों से जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी एवं पारदर्शी बनाने का आह्वान किया। बैठक में जनपद स्तरीय अधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहे।

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर 5 से 21 जून तक जनपद में चलेगा जन-कल्याण एवं जन-जागरूकता अभियान

जिलाधिकारी ने अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा, दिए आवश्यक निर्देश,विश्व पर्यावरण दिवस से होगा अभियान का शुभारंभ, विकसित भारत संकल्प सम्मेलन, विकास प्रदर्शनी एवं योग दिवस कार्यक्रम होंगे आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 5 जून 2026 से 21 जून 2026 तक आयोजित होने वाले जन-कल्याण एवं जन-जागरूकता अभियान के सफल आयोजन को लेकर जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने आज कलेक्ट्रेट स्थित जनसुनवाई कक्ष में जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि अभियान का शुभारंभ 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर किया जाएगा। इस दौरान अमृत सरोवरों, तालाबों, नहरों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर वृहद स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने सभी विभागों को निर्धारित कार्यक्रमों का प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि 8 जून से 14 जून तक विशेष जनसंपर्क एवं जन-जागरूकता अभियान संचालित किया जाएगा तथा 11 जून से 14 जून तक मीडिया संवाद एवं संबोधन कार्यक्रम आयोजित होंगे। 14 जून से 16 जून तक जनपद के सभी विकास खंडों में जन-कल्याण शिविर एवं स्वास्थ्य मेलों का आयोजन किया जाएगा, जहां पात्र लाभार्थियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ प्रदान करने के साथ जनसमस्याओं का निस्तारण भी किया जाएगा।जिलाधिकारी ने बताया कि 16 एवं 17 जून को विकसित भारत संकल्प सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास उपलब्धियों एवं सुशासन के विभिन्न आयामों को जनसामान्य तक पहुंचाया जाएगा। इसके पश्चात 17 जून से 20 जून तक विकास प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान प्राकृतिक खेती पर आधारित कार्यशालाएं भी आयोजित होंगी। अभियान का समापन 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित वृहद योग कार्यक्रम के साथ होगा। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, जिला विकास अधिकारी हेमंत कुमार सिंह, डीसी मनरेगा रविंद्र सिंह, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुधांशु शेखर शर्मा सहित विभिन्न विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

एक एक रोजगार सेवक हमारे परिवार के सदस्य है-संदीप मिश्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा का प्रतिनिधि मण्डल मोर्चा संयोजक के नेतृत्व में जिलाधिकारी से मिला और मोर्चा संयोजक ने जिलाधिकारी से वार्ता में कहा कि एक एक रोजगार सेवक हमारे परिवार के सदस्य हैं साथ ही आपके संस्था के सहयोगी हैं ग्राम पन्चायत में होने वाले विकास कार्यो की रीढ़ है ऐसे होनहार लोगों में से एक बेलहत्थी ग्राम पन्चायत के रोजगार सेवक स्वर्गिय ओमप्रकाश म्योरपुर ब्लाक जिनकी मृत्यु 27 मयी को हो गयी उन्हे तत्काल आर्थिक मदत दी जाय जिससे की इस पीड़ित परिवार को सम्बल मिल सके साथ ही सभी मनरेगा कर्मचारी लोगों का मानदेय जल्द रिलिज किया जाय. साथ जी मोर्चा संयोजक ने जल संचय पर व पर्यावरण पर जिलाधिकारी जी को सुझाव दिया कि जनपद में मनरेगा द्वारा बने सभी तालाबों का गहरीकरण मशीनों द्वारा डेढ़ से दो मिटर जल्द कराया जाय व पर्यावरण के सरक्षण हेतु मोर्चा संयोजक ने कहा कि सभी मैदानी क्षेत्र की ग्राम पन्चायतो में फलदार वृक्ष आम अमरुद आंवला व कटहल लगवाया जाय तथा पहाड़ी ग्राम पन्चायत के अन्दर औषधीय वृक्ष चिरौंजी (पियार) तेनु महुआ व हर्रा बहेरा आदि लगावाए जाय।

आज के कार्यक्रम में आकाश चौहान सत्रुधन बिन्द सुरज कनौजिया दिनेश चेरो सत्यम पाण्डेय सन्तोष चेरो विजय चौहान रहे।

पर्यावरण की रक्षा के लिए योगी सरकार का हरित आवरण बढ़ाने पर जोर,सोनभद्र में वृक्षारोपण अभियान 2026 के तहत एक करोड़ 61 लाख से अधिक पौधे रोपने का लक्ष्य

विश्व पर्यावरण दिवस पर रोपे जाएंगे 2100 पौधे, जगह-जगह जागरूकता कार्यक्रम का हो आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। गर्मी के मौसम में लागातार बढ़ते तापमान को लेकर चिंतित प्रदेश की योगी सरकार ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने पर जोर दे रही है। इसी के तहत जिले में इस वर्ष वृक्षारोपण अभियान 2026 के तहत एक करोड़ 61 लाख से अधिक पौधे रोपने का लक्ष्य रखा गया। सभी विभागों को पौधरोपण का लक्ष्य आवंटित करने के साथ ही रोपे गए पौधे की रक्षा के लिए भी संपकल्पित किया गया है। वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस से हो जाएगी। इस दिन अलग-अलग स्थानों पर पौधरोपण को लेकर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किए जाने के साथ ही 2100 पौधों का रोपण भी किया जाएगा। प्रभागीय वनाधिकारी आशुतोष जायसवाल ने बताया कि इस वर्ष वृक्षारोपण अभियान के तहत जिले में कुल

1,61,69,686 लाख पौधे रोपने का लक्ष्य रखा गया है। जिसमें 10,21,8000 लाख पौधों का रोपण वनविभाग द्वारा किया जाएगा। शेष 5,951,686 लाख पौधरोपण 22 अन्य विभागों द्वारा कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि वन विभाग व उद्यान विभाग की पौधशालाओं में पौधों को रोपण के लिए तैयार किया जा रहा है। बताया कि पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर डाला रेंज स्थित मां वैष्णो देवी मंदिर परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम के साथ-साथ आमजन को ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने एवं उनकी रक्षा के लिए जागरूक करने के उद्देश्य से कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही जिले के अन्य स्थानों पर इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित कर 2100 फल एवं छायादार पौधे रोपे जाएंगे। मिशन छाया से सड़कें बनेंगी छायादार-प्रभागीय वनाधिकारी ने बताया कि हीटवेट के दुष्प्रभावों को नियंत्रित करने हेतु प्रदेश सरकार ने सड़कों के किनारे दोनों तरफ ज्यादा से ज्यादा छायादार पौधे लगाने की योजना बनाई है। इसे मिशन छाया नाम दिया गया है। बताया कि इस मिशन के तहत सड़कों के किनारे छायादार पौधों का रोपण करने के साथ ही उनकी सुरक्षा भी सुनिश्चित की जाएगी। सड़कों के किनारे रोपे गए पौधे जब बड़े होकर वृक्ष बनेंगे तो सड़कों का तापमान कम रहेगा। जिससे हीटवेट का खतरा कम होगा। विभागवार आवंटित लक्ष्य-वन विभाग : 1,021,800, पर्यावरण विभाग : 441,000, ग्राम्य विकास विभाग : 3,195,286, राजस्व विभाग : 236,600, पंचायतीराज विभाग : 334,800, आवास विकास विभाग : 16,900, औद्योगिक विकास : 25,900, उद्योग विभाग : 32,700, नगर विकास : 74,600, लोक निर्माण : 41,100, जल शक्ति विभाग :50,900, रेशम विभाग : 28,000, कृषि विभाग : 7,18,000, पशुपालन विभाग : 19,800, सहकारिता : 18,500, उर्जा विभाग : 18,500, शिक्षा विभाग : 138,900, श्रम विभाग : 8,300, स्वास्थ्य विभाग : 29,000, परिवहन विभाग :6,300, रेलवे विभाग : 33,000, रक्षा विभाग :13,000, उद्यान विभाग : 444,000, गृह विभाग : 26,600,।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
कौशलं बलम्
NAINI ALLAHABAD
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

श्री महन्तू
अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज
नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

गर्मियों में लें नेचुरल कूलिंग हर्ब्स,बॉडी टेंपरेचर करे कंट्रोल, डिटॉक्स में मददगार,किसे नहीं लेना वो भी जाने

नयी दिल्ली। गर्मियों में पसीना, थकान और डिहाइड्रेशन जैसे लक्षण बताते हैं कि शरीर लगातार हीट हो रहा है। इससे बचने लिए अक्सर लोग ऐसे डाइट ऑप्शन तलाशते हैं, जो शरीर की गर्मी को बैलेंस कर सकें। इंडियन किचन में कुछ नेचुरल कूलिंग हर्ब्स हमेशा मौजूद रहते हैं। इनमें पुदीना, सौंफ, धनिया शरीर का तापमान बैलेंस करने के साथ पाचन सुधारने और हाइड्रेशन बनाए रखने में भी मदद करते हैं। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में जानेंगे कि- कूलिंग हर्ब्स शरीर को कैसे फायदा पहुंचाते हैं? इन्हें डाइट में कैसे शामिल करें? विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. अमृता मिश्रा, सीनियर डाइटीशियन, दिल्ली जी से सवाल जवाब के माध्यम से। नेचुरल कूलिंग हर्ब्स वो प्लांट या हर्ब्स होते हैं, जो बॉडी के टेम्परेचर को कंट्रोल करने में मदद करते हैं। ये हर्ब्स बॉडी की हीट लॉस बढ़ाते हैं। इससे बॉडी नेचुरली कूल होती है। ग्राफिक में देखिए ये क्या करती हैं- कुछ हर्ब्स (जैसे पुदीना) सिर्फ ठंडक महसूस कराते हैं, जबकि कुछ हर्ब्स (जैसे धनिया, खस) शरीर को ठंडा करने में मदद करते हैं। ये हीट लॉस बढ़ाते हैं। इससे बॉडी टेम्परेचर कम होता है।- गर्मियों में असरदार कूलिंग हर्ब्स जैसे पुदीना, सौंफ, धनिया अलग-अलग तरीकों से शरीर को ठंडक पहुंचाते हैं। सवाल- ये हर्ब्स शरीर के तापमान को कैसे रेगुलेट करते हैं? जवाब- कूलिंग हर्ब्स शरीर के थर्मोरेगुलेशन मैकेनिज्म (शरीर की अपना तापमान संतुलित रखने की प्रक्रिया) पर प्रभाव डालते हैं। पॉइंटर्स से समझिए- कुछ हर्ब्स के बायोएक्टिव कंपाउंड्स ब्रेन के हाइपोथेलेमस (ब्रेन का टेम्परेचर कंट्रोल सेंटर) पर असर डालते हैं। इससे शरीर को 'कूलिंग सिग्नल' मिलता है और पसीना बढ़ता है। पुदीना जैसे नेचुरल हर्ब्स में मेंथॉल (एक नेचुरल केमिकल कंपाउंड) होता है। ये स्किन और नर्व्स के कोल्ड रिसेप्टर्स को एक्टिव करते है, जिससे शरीर में ठंडक बढ़ती है। ब्रेन को ठंडक का सिग्नल मिलता है, जिससे कूलिंग

रिस्पॉन्स ट्रिगर होता है। कुछ हर्ब्स ब्लड वेसल्स को रिलैक्स करके स्किन की तरफ ब्लड फ्लो बढ़ाते हैं। इससे शरीर की गर्मी बाहर निकलती है। सवाल- क्या इन हर्ब्स में इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस की क्षमता होती है? जवाब- कूलिंग हर्ब्स इलेक्ट्रोलाइट्स का मुख्य सोर्स नहीं हैं, लेकिन शरीर में उनके बैलेंस और रिटेंशन को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। सवाल- इन हर्ब्स को डाइट में कैसे शामिल करें? जवाब- इन हर्ब्स को पानी, चटनी, ड्रिंक्स और हर्बल टी के रूप में शामिल कर सकते हैं। जैसेकि- हर्बल वाटर, पुदीना, सौंफ, धनिया को पानी में भिगोकर या उबालकर पिएं।ड्रिंक्स और शरबत-सौंफ का पानी-बेल का शरबत - गुलकंद दूध या पानी में ये हाइड्रेशन और कूलिंग दोनों देते हैं। चटनी और सलाद, पुदीना, धनिया की चटनी या सलाद में डालें। हर्बल टी, लेमनग्रास, तुलसी, मुलेठी की चाय बनाकर लें। ज्यादा गर्म नहीं, हल्की ठंडी करके पिएं। सीड्स का इस्तेमाल, सब्जा, सौंफ या धनिया के सीड्स भिगोकर खाएं। ड्रिंक्स, दूध या दही में मिलाकर ले सकते हैं। ध्यान रखें- बहुत ज्यादा मात्रा में न लें। खाली पेट स्ट्रॉन्ग हर्ब्स (जैसे एलोवेरा, गिलोय) डॉक्टर की सलाह से लें। अगर कोई बीमारी है, तो पहले डॉक्टर की सलाह लें। सवाल- दिन में किस समय इनका सेवन सबसे फायदेमंद है? जवाब- अलग-अलग कूलिंग हर्ब्स अलग-अलग समय पर ले सकते हैं। पॉइंटर्स में देखिए- सुबह (खाली पेट या नाश्ते के बाद) पुदीना, सौंफ का पानी लेने से दिनभर के लिए बॉडी कूल और हाइड्रेटेड रहती है। दोपहर-बेल का शरबत, सौंफ का पानी ले सकते हैं। शाम- हर्बल ड्रिंक्स या हल्की चाय लेने से दिनभर की हीट और थकान कम होती है। सवाल- क्या खाली पेट ये हर्ब्स लेना सही है? जवाब- हां, हल्की हर्ब्स (जैसे- सौंफ का पानी, धनिया का पानी, पुदीना पानी) खाली पेट ले सकते हैं। लेकिन स्ट्रॉन्ग हर्ब्स (जैसे- गिलोय, मुलेठी) हमेशा खाने के बाद या सलाह लेकर ही लें। सवाल- रोजाना कितनी मात्रा में इनका सेवन करना चाहिए?जवाब- कूलिंग हर्ब्स के सही फायदे के लिए इन्हें सेवन संतुलित मात्रा में लेना चाहिए। पॉइंटर्स में देखिए- हर्बल पानी/ड्रिंक्स दिनभर में 1-2 गिलास (200-400 एमएल) काफी है। जैसे- सौंफ या धनिया का पानी। पत्तियां (पुदीना, धनिया) एक दिन में 1-2 टेबलस्पून (चटनी/सलाद में)। ज्यादा लेने से पाचन पर असर पड़ सकता है। बीज (सौंफ, सब्जा, धनिया के बीज) 1-2 चम्मच भिगोकर। इससे ज्यादा लेने पर गैस या लूज मोशन हो सकते हैं। स्ट्रॉन्ग हर्ब्स (एलोवेरा, गिलोय, मुलेठी) एलोवेरा जूसः 20-30एमएल गिलोयः मुलेठीः डॉक्टर की सलाह से। ध्यान रखें- एक साथ कई हर्ब्स ज्यादा मात्रा में न लें। कोई साइड इफेक्ट दिखे तो तुरंत बंद करें। सवाल- किन लोगों को इनका सेवन सावधानी से करना चाहिए? जवाब- कूलिंग हर्ब्स भले ही नेचुरल हों, लेकिन हर किसी के लिए पूरी तरह सुरक्षित नहीं होतीं। हां, कूलिंग हर्ब्स का जरूरत से ज्यादा सेवन नुकसानदायक हो सकता है। इसलिए सीमित मात्रा में ही लें।

तेज हवा में हिलने के कारण कोलकाता में मेसी का 70 फीट ऊंचा स्टैच्यू हटाया गया,6 महीने पहले फुटबॉलर ने खुद उद्घाटन किया था

कोलकाता। कोलकाता के लेक टाउन इलाके में लगी स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी के 70 फीट ऊंचे स्टैच्यू को सोमवार को हटा दिया गया। हाल में आए तेज तूफान में स्टैच्यू के हिलने की शिकायत मिली थी। सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन ने इसे हटाने का फैसला किया। पीडब्ल्यूडी (लोक निर्माण विभाग) के अधिकारियों ने हाइड्रोलिक क्रेन की मदद से स्टैच्यू को उसके आधार से अलग किया। इसके बाद उसे सुरक्षित तरीके से ट्रक पर रखकर दूसरी जगह पहुंचाया गया। हटाने की प्रक्रिया में स्टैच्यू को कोई नुकसान नहीं हुआ। यह स्टैच्यू पिछले साल दिसंबर में लगाया गया था। उस समय मेसी के कोलकाता दौरे के दौरान इसका उद्घाटन हुआ था। मेसी ने रिमोट कंट्रोल के जरिए स्टैच्यू का अनावरण किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ये स्टैच्यू करीब 10 करोड़ रुपए में बना था। यह मूर्ति लोहे और फाइबर से बनाई गई थी। इसे सिर्फ 40 दिनों में तैयार किया गया था। लोगों ने स्टैच्यू हिलने की शिकायत की- कुछ दिन पहले स्थानीय लोगों ने पुलिस को बताया था कि खराब मौसम और तेज हवा चलने पर स्टैच्यू डगमगाने लगता है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस और पीडब्ल्यूडी ने मिलकर इसकी जांच कराई। जांच के दौरान ठेकेदार ने बताया कि स्टैच्यू की नींव में लगे फाउंडेशन बोल्ट्स में तकनीकी खराबी है। उसने चेतावनी दी कि स्टैच्यू अब सुरक्षित नहीं है और गिर सकती है। इसके बाद प्रशासन ने तुरंत इसे हटाने का फैसला किया। फिलहाल स्टैच्यू को पीडब्ल्यूडी की निगरानी में सुरक्षित रखा गया है। राज्य सरकार ने अभी यह तय नहीं किया है कि इसे दोबारा कहां लगाया जाएगा। हालांकि चर्चा है कि भविष्य में इसे रवींद्र सरोवर या ईको पार्क में स्थापित किया जा सकता है। इस प्रोजेक्ट की शुरुआत पश्चिम बंगाल सरकार के पूर्व मंत्री सुजीत बोस ने की थी। हाल ही में उन्हें नगर निकाय भर्ती घोटाले से जुड़े मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार किया है। पिछले साल दिसंबर में फुटबॉल के दिग्गज खिलाड़ी लियोनल मेसी 14 साल बाद भारत आए थे। इस दौरान उन्होंने 13 दिसंबर 2025 को कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम में अपनी 70 फीट ऊंची मूर्ति का उद्घाटन किया था। मेसी अपने साथी खिलाड़ियों लुइस सुआरेज और रोड्रिगो डी पॉल के साथ पहुंचे थे। मेसी स्टेडियम में सिर्फ कुछ मिनट ही रहे और भारी सुरक्षा के बीच लौट गए। इससे फैंस नाराज हो गए। गुस्साए फैंस ने स्टेडियम में हंगामा करना शुरू कर दिया। गुस्से में कुछ फैंस ने कुर्सियां फेंकीं और मैदान में घुस गए थे। बंगाल सरकार ने कोलकाता में सॉल्ट लेक स्टेडियम के बाहर लगी मूर्ति को तुड़वा दिया था। इसे पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने डिजाइन किया था। 2017 में पश्चिम बंगाल में आयोजित हुए फीफा अंडर-17 वर्ल्ड कप से पहले लगाया गया था। तब सॉल्ट लेक स्टेडियम को अपग्रेड करने पर रु100 करोड़ खर्च हुए थे। स्टेडियम के वीवीआईपी गेट के सामने लगी इस मूर्ति में फुटबॉल बूट पहने हुए खिलाड़ी के 2 पैरों पर फुटबॉल बने हुए थे। मूर्ति में कमर के ऊपर भी फुटबॉल बनी हुई थी। मूर्ति पर टीएमसी सरकार का ब्रांडिंग स्लोगन 'बिश्वा बांग्ला' लिखा हुआ था। नीचे लिखा हुआ था- कॉन्सेप्ट एंड डिजाइन बाय ममता बनर्जी।यह मूर्ति स्थापना के समय से ही विवादों में रही थी। भाजपा इसका विरोध कर रही थी। सीएम शुभेंदु अधिकारी ने शपथ ग्रहण के अगले दिन कहा था- हम इस मूर्ति को गिरा देंगे।

पिछले साल भगदड़ में 11 मौतों के मद्दे आरसीबी जीत के बाद विक्ट्री परेड नहीं करेगी,बेंगलुरु पुलिस की एडवाइजरी के बाद फैसला

अहमदाबाद। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने लगातार दूसरी बार आईपीएल खिताब जीतने के बावजूद बेंगलुरु में विक्ट्री परेड नहीं निकालने का फैसला किया है। आरसीबी के एक सूत्र ने बताया कि सार्वजनिक समारोहों को लेकर लागू दिशा-निर्देशों का पालन किया जाएगा। बेंगलुरु में किसी बड़े समारोह की संभावना नहीं है। बेंगलुरु ने रविवार को अहमदाबाद में खेले गए फाइनल में गुजरात टाइटंस को 5 विकेट से हराया। टीम ने लगातार दूसरे साल आईपीएल खिताब जीता है। विक्ट्री परेड नहीं होने के 2 कारण-पहलाः पिछले साल चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर की भगदड़- 4 जून 2025 को पहला आईपीएल खिताब जीतने के बाद फ्रेंचाइजी ने जल्दबाजी में विक्ट्री परेड की थी। इस दौरान भगदड़ में 11 प्रशंसकों की मौत हो गई थी। दूसराः कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार का शपथ ग्रहण -2 दिन पहले डीके शिवकुमार को कर्नाटक का नया सीएम बनाने का ऐलान किया गया था। उनका शपथ ग्रहण समारोह इसी हफ्ते होगा। यह कार्यक्रम लोक भवन में शाम 4:10 बजे आयोजित होगा। पुलिस ने कहा- अव्यवस्था न फैलाएं-बेंगलुरु पुलिस ने पहले ही एडवाइजरी जारी कर लोगों से अपील की थी कि आरसीबी की जीत पर सड़क पर जश्न, पटाखेबाजी, हुड़दंग या अव्यवस्था न फैलाएं। पुलिस ने स्पष्ट किया था कि सार्वजनिक स्थानों पर विजय उत्सव की अनुमति नहीं दी जाएगी। लोग घरों या निजी स्थानों पर जश्न मना सकते हैं। आरसीबी के कई प्लेयर्स को नेशनल टीमों से जुड़ना है। देवदत्त पडिक्कल अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम से जुड़ेंगे। जोश हेजलवुड, टिम डेविड, जैकब डफी और रोमारियो शेफर्ड भी अपनी-अपनी नेशनल टीम से जुड़ेंगे।

गुजरात आईपीएल टीम की बस में शॉर्ट सर्किट,धुआं उठने के बाद प्लेयर्स और स्टाफ को बाहर निकाला गया, सभी सुरक्षित

अहमदाबाद। आईपीएल 2026 फाइनल के बाद गुजरात टीम फाइनल खेलने के बाद अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम से होटल जा रही थी। 5 विकेट से फाइनल हारी गुजरात-हादसे से पहले गुजरात की टीम को फाइनल में बेंगलुरु के खिलाफ 5 विकेट की हार झेलनी पड़ी। गुजरात ने दूसरा फाइनल मैच गंवाया है। जबकि, बेंगलुरु की टीम दूसरी बार चैंपियन बनी है। विराट कोहली 75 रन पर नाबाद लौटे। विराट को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

टाइटंस की टीम बस शॉर्ट सर्किट हो गया। बस के अंदर धुआं फैलने लगा था। एहतियात के तौर पर सभी खिलाड़ियों और स्टाफ को सुरक्षित बाहर निकाला गया। कुछ देर इंतजार के बाद दूसरी बस की व्यवस्था की गई और सभी को होटल पहुंचाया गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। यह घटना रविवार देर रात हुई। जब

हंतावायरस को लेकर बढ़ रही माथे की लकीर,डॉक्टर से जानें यह बीमारी कैसे फैलती है, किन्हें ज्यादा खतरा, आप क्या सावधानियां बरतें

नयी दिल्ली। अप्रैल 2026 में पश्चिम अफ्रीका के पास 'एमवी होंडियस क्रूज़' शिप पर 'हंतावायरस' के संक्रमण के बाद दुनियाभर में इस बीमारी को लेकर चिंता बढ़ गई है। जहाज पर कई लोग बीमार पड़े। इनमें कुछ की मौत भी हुई। अब स्पेन में हंतावायरस का दूसरा मामला भी उन स्पेनिश यात्रियों में मिला है, जिन्हें अप्रैल में उस क्रूज़ जहाज पर बीमारी फैलने के बाद बाहर निकाला गया था। अमेरिका के 'नेशनल इंस्टीट्यूट्स ऑफ हेल्थ 'के मुताबिक, दुनियाभर में हर साल हंतावायरस के करीब 1-2 लाख मामले सामने आते हैं। इनमें से ज्यादातर यूरोप और एशिया के होते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के मुताबिक, हंतावायरस के कारण अमेरिका में 50फीसदी मामलों में मौत हो जाती है। जबकि एशिया में डेथ रेट 15फीसदी तक है। ज्यादातर केस में मौत 6 हफ्तों के अंदर हो जाती है। हंतावायरस के क्या लक्षण हैं? इसका क्या इलाज है? इससे बचाव के क्या उपाय हैं? सवाल- हंतावायरस क्या है? जवाब- हंतावायरस एक वायरस ग्रुप है, जो मुख्य तौर पर संक्रमित चूहों और अन्य रोडेंट्स के यूरिन, मल या लार के संपर्क से मनुष्यों में फैल सकता है। अलग-अलग देशों में इसके अलग स्ट्रेन पाए जाते हैं। इसके संक्रमण से व्यक्ति गंभीर रूप से बीमार हो सकता है। सवाल- किन देशों में हंतावायरस का रिस्क ज्यादा है? जवाब- इसका रिस्क पूरी दुनिया में एक जैसा नहीं है। सबसे ज्यादा रिस्क उन देशों और क्षेत्रों में होता है, जहां रोडेंट्स (चूहे, गलहरी आदि) ज्यादा पाए जाते हैं और इनका इंसानों से ज्यादा संपर्क होता है। सवाल- विदेश यात्रा कर रहे लोगों को इसका खतरा क्यों ज्यादा होता है? जवाब- ऐसा इसलिए, क्योंकि अमेरिका और यूरोप के कई देशों में हंतावायरस का रिस्क है। जो लोग इन देशों में घूमने जा रहे हैं, उन्हें ज्यादा रिस्क हो सकता है। घूमने गए लोग कैंपिंग, ट्रैकिंग करते हैं तो रिस्क ज्यादा होता है। इन एक्टिविटीज से बढ़ता हंतावायरस का रिस्क- कैंपिंग या ट्रैकिंग करना। पुराने या बंद पड़े होटल/केबिन में ठहरना। ग्रामीण इलाकों में यात्रा। रोड ट्रिप और टेंट स्टे। अनहाइजेनिक जगहों पर ठहरना। सवाल- हंतावायरस कैसे फैलता है? जवाब- हंतावायरस मुख्य रूप से संक्रमित चूहों और अन्य रोडेंट्स के यूरिन, मल और लार के संपर्क से फैलता है। यह वायरस आमतौर पर एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलता है। हालांकि, साउथ अमेरिका के कुछ स्ट्रेन्स में इंसान से इंसान में संक्रमण देखा गया है। हंतावायरस के शुरुआती लक्षण सामान्य संक्रमण जैसे दिख सकते

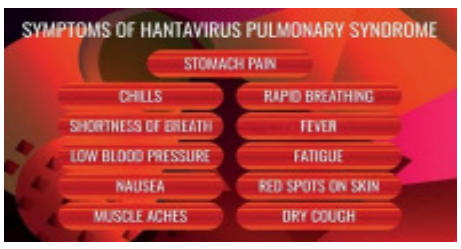

हैं। इसलिए शुरुआत से ही निगरानी जरूरी है। - हंतावायरस के लक्षण दिखने पर करें ये काम- तुरंत तुरंत डॉक्टर या अस्पताल से संपर्क करें। हाल की यात्रा, कैंपिंग, खेत-खलिहान या चूहों के संपर्क की जानकारी डॉक्टर को दें। बुखार, बॉडी पेन और खांसी को नजरअंदाज न करें। अगर सांस लेने में परेशानी बढ़ रही हो तो तुरंत मेडिकल हेल्प लें। डॉक्टर द्वारा सुझाए गए सभी टेस्ट और ट्रीटमेंट करवाएं। पर्याप्त आराम करें और शरीर में पानी की कमी न होने दें। खुद से कोई दवा लेने की बजाय मेडिकल हेल्प लें। सवाल- हंतावायरस का इलाज क्या है? जवाब- हंतावायरस के लिए कोई एंटीवायरल दवा नहीं है। इसलिए हंतावायरस का संक्रमण होने पर लक्षणों के आधार पर इलाज किया जाता है। सवाल- क्या हंतावायरस के लिए कोई वैक्सीन बनाई गई है? जवाब- फिलहाल अधिकांश देशों में आम लोगों के लिए कोई वैक्सीन उपलब्ध नहीं है। हालांकि, चीन और दक्षिण कोरिया जैसे देशों में कुछ खास प्रकार के हंतावायरस यात्रा से पहले पता करें ये बातें- जिस देश जा रहे हैं, वहां हंतावायरस के मामले हैं या नहीं। वहां कोई स्थानीय हेल्थ अलर्ट तो जारी नहीं हुआ। वहां मौसम कैसा है, आसपास जंगली इलाका तो नहीं है। सवाल- क्या एयरपोर्ट या फ्लाइट में भी हंतावायरस का खतरा होता है? जवाब- सामान्यतौर पर एयरपोर्ट या फ्लाइट में रिस्क बहुत कम होता है। क्योंकि यहां आमतौर पर रोडेंट्स नहीं होते और यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलता है। सवाल- होटल ठेते समय किन बातों का ध्यान रखें? जवाब- इन बातों का ध्यान रखें- कमरे में चूहों या अन्य रोडेंट्स के निशान न हों। साफ-सफाई की स्थिति अच्छी हो। कमरे में बदबू या धूल न हो। खाने के खुले पैकेजट न पड़े हों। दरवाजे, खिड़कियां और वेंटिलेशन ठीक हों। किचन और भोजन रखने की जगह साफ हो। हाल में हुए गेस्ट रिव्यू पढ़ें। जंगल के पास हो तो ज्यादा सावधानी बरतें। सवाल- अगर कमरे में रोडेंट्स या चूहे दिखें तो क्या करें? जवाब- ऐसी स्थिति में ये कदम उठाएं-घबराएं नहीं, लेकिन सावधानी बरतें। चूहों के मल, यूरिन को हाथों से न छुएं। होटल, होस्ट या मैनेजर को तुरंत सूचना दें। संभव हो तो कमरा बदलने की रिक्वेस्ट करें। कमरे में वेंटिलेशन बढ़ाएं और खिड़कियां खोल दें। सवाल- अगर किसी जगह रोडेंट ड्रॉपिंग्स दिखें तो क्या करें? जवाब- अगर रोडेंट्स के ड्रॉपिंग्स दिखें तो ये करें- ड्रॉपिंग्स को नंगे हाथों से न छुएं। झाड़ू या वैक्यूम क्लीनर का इस्तेमाल न करें। कमरे में कम-से-कम 30 मिनट तक सभी खिड़कियां खोल दें।अगर सफाई करनी पड़े तो ग्लव्स और मास्क पहनें। ड्रॉपिंग्स पर डिसइन्फेक्टेंट या ब्लीच का छिड़काव करें। इसे गीले पेपर टॉवल या कपड़े से सावधानीपूर्वक साफ करें। साफ किए गए कचरे को बंद प्लास्टिक बैग में डालें। सफाई के बाद हाथों को साबुन और पानी से अच्छी तरह धोएं। सवाल- कैंपिंग के दौरान हंतावायरस के संक्रमण से कैसे बचें? जवाब- इसके लिए करें ये काम- साफ और सुरक्षित जगह पर कैंप लगाएं। चूहों के बिल और घोंसलों से दूर रहें। भोजन को बंद डिब्बों में रखें। टेंट हमेशा बंद रखें। चूहों की बीट या मल-मूत्र से दूर रहें। सफाई करते समय मास्क और दस्ताने पहनें। नियमित रूप से साबुन से हाथ धोएं। बैग और खाने का सामान बंद रखें। चूहों को छूने या पकड़ने की कोशिश न करें। बुखार या सांस की तकलीफ होने पर डॉक्टर से कंसल्ट करें। सवाल- क्या मास्क पहनने से हंतावायरस से बचा जा सकता है? जवाब- हां, मास्क पहनने से हंतावायरस के रिस्क कम किया जा सकता है। बंद कमरे, गोदाम, केबिन या सफाई के दौरान एन-95 मास्क बेहतर सुरक्षा देता है। हालांकि केवल मास्क पर्याप्त नहीं है, अन्य सावधानियां भी जरूरी हैं। सवाल- क्या खाने के जरिए भी संक्रमण फैल सकता है? जवाब- हां, अगर भोजन या पानी चूहों के मल-मूत्र या लार से दूषित हो गया हो तो संक्रमण का जोखिम बढ़ सकता है। इसलिए खाने-पीने की चीजों को हमेशा ढककर रखें। खुले भोजन से बचें और साफ पानी का इस्तेमाल करें।

एसी में ब्लास्ट क्यों होता है? हो सकते हैं ये कारण.., एसी के साथ न करें ये 9 गलतियां, जानें यूज के सेफ्टी टिप्स

नागपुर। हाल ही में दिल्ली के हौज खास इलाके में पूर्व आईएएस अधिकारी धनेंद्र कुमार के घर में एसी ब्लास्ट के बाद भीषण आग लग गई। इस हादसे में उनकी मौत हो गई। इससे पहले दिल्ली के विवेक विहार में एसी में आग लगने से 9 लोगों की जान गई थी। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर एसी में आग क्यों लगती है। दरअसल एसी की मेंटेनेंस और सेफ्टी को नजरअंदाज करने से ओवरहीटिंग और शॉर्ट सर्किट का रिस्क बढ़ता है, जो कई बार हादसे का कारण बनता है। हालांकि, सही जानकारी और थोड़ी सावधानी से हम अपने परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं। साथ ही एसी की लाइफ भी बढ़ा सकते हैं। आज एसी ब्लास्ट की असल वजह समझेंगे एक्सपर्टः अभिषेक मिश्र, इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, नागपुर, महाराष्ट्र जी के साथ साल जवाब के माध्यम से। सवाल- एसी में ब्लास्ट क्यों होता है? जवाब- आमतौर पर एसी में ब्लास्ट अचानक नहीं होता। यह कई छोटी-छोटी लापरवाहियों का नतीजा होता है। जब एसी पर जरूरत से ज्यादा लोड पड़ता है या पार्ट्स ठीक से काम नहीं करते तो ओवरहीटिंग और शॉर्ट सर्किट की स्थिति बन जाती है, जो ब्लास्ट का कारण बनती है। सवाल- क्या ब्लास्ट सिर्फ पुराने एसी में होता है या नए में भी रिस्क हो सकता है? जवाब- पुराने एसी के पार्ट्स घिस गए होते हैं। ऐसे में सर्विसिंग और मेंटेनेंस का ध्यान न रखने पर रिस्क बढ़ जाता है। वहीं नए एसी में गलत इंस्टॉलेशन, सस्ती वायरिंग और ओवरलोडिंग की वजह से हादसे का जोखिम हो सकता है।सवाल- गर्मी बढ़ने पर ब्लास्ट के केस क्यों बढ़ जाते हैं? जवाब- कई ऐसे कारण हैं, जो एसी में ओवरहीटिंग और शॉर्ट सर्किट का कारण बनते हैं। गर्मी में लोग अक्सर लगातार लो टेम्परेचर पर एसी चलाते हैं, जिससे उसके कंपोनेंट्स पर लोड बढ़ता है। बाहर का तापमान ज्यादा होने पर कंप्रेसर और मोटर ओवरहीट हो जाते हैं। इससे सिस्टम ओवरलोड हो जाता है। एसी में इस्तेमाल होने वाली रेफ्रिजरेंट गैस (जैसे आर-32) तापमान बढ़ने पर फैलती है। अगर कूलिंग सिस्टम ठीक से काम न करे या गैस का दबाव असामान्य रूप से बढ़ जाए, तो एसी के अंदर प्रेशर बढ़ सकता है। इससे खराबी या हादसे का जोखिम बढ़ता है।गर्मियों में एसी घंटों बिना रुके चलता है। इससे पार्ट्स को कूल होने का मौका नहीं मिलता और फेल होने का रिस्क बढ़ता है। आउटडोर यूनिट बंद या गर्म जगह पर लगी हो तो हीट बाहर नहीं निकल पाती, जिससे ओवरहीटिंग बढ़ती है। गर्मी में बिजली की खपत ज्यादा होती है। इससे वोल्टेज ऊपर-नीचे होता है और शॉर्ट सर्किट/स्पार्किंग का रिस्क बढ़ जाता है। सवाल- एसी यूज और मेंटेनेंस में क्या गलतियां नहीं करनी चाहिए? जवाब- एसी इस्तेमाल करते समय छोटी-छोटी लापरवाहियां बड़े खतरे में बदल सकती हैं। इसलिए इन गलतियों से बचना जरूरी है- एसी यूज के दौरान न करें ये गलतियां गलती-1 लगातार बिना ब्रेक के एसी चलाना। क्या होता है- इससे कंप्रेसर पर दबाव बढ़ता है और ओवरहीटिंग होती है। गलती-2 बहुत कम तापमान (16-18डिग्री) पर चलाना।क्या होता है- मशीन पर अनावश्यक लोड बढ़ता है, बिजली भी ज्यादा खर्च होती है। गलती-3 दरवाजे-खिड़कियां खुली रखना। क्या होता है- कूलिंग के लिए एसी पर ज्यादा लोड पड़ता है। गलती-4 बार-बार ऑन-ऑफ करना। क्या होता है- कंप्रेसर पर झटका पड़ता है, जल्दी खराब हो सकता है। मेंटेनेंस से जुड़ी गलतियां- गलती-1 समय पर सर्विस न कराना। क्या होता है- गंदे फिल्टर और जाम कॉइल्स ओवरहीटिंग बढ़ाते हैं। गलती-2 लोकल/अनट्रेंड टेक्नीशियन से काम कराना। क्या होता है- छोटी सी गलती या फिटिंग से प्रेशर असंतुलित हो सकता है। गलती-3 खराब या सस्ती वायरिंग का इस्तेमाल।

युद्धों को शुरू करना आसान है, लेकिन खत्म करना मुश्किल

संघर्षों की शब्दावली अब काफी बदल गई है। रणनीतिक विमर्श में हाइब्रिड, अन-रेस्ट्रिक्टेड और कॉग्निटिव वारफेयर जैसे शब्द खूब चलन में हैं। फिर भी, पर आधारित होते थे- शांति या युद्ध, जीत या हार। यह धारणा अब समाप्त होती जा रही है। आधुनिक युद्ध शायद ही कभी पूरी जीत तक पहुंचते हैं। इसके विकास के चलते उन क्षमताओं तक सभी की पहुंच हो गई, जिन पर कभी सिर्फ बड़ी सैन्य ताकतों का एकाधिकार था। नतीजतन, स्पष्ट जीत हासिल कर पाना

'ग्रे जोन' की व्याख्या अकसर बहुत सीमित मायनों में की जाती है, यानी पारंपरिक युद्ध की सीमा से नीचे होने वाली गतिविधियां- जैसे साइबर घुसपैठ, प्रॉक्सी संघर्ष, आर्थिक दबाव या दुष्प्रचार के अभियान। लेकिन हालिया संघर्ष एक गहरे बदलाव को दिखाते हैं। अब आधुनिक युद्ध लगातार बने रहने वाली 'ग्रे जोन' परिस्थितियों में लड़े जा रहे हैं- ऐसा रणनीतिक वातावरण, जिसकी खासियत अस्पष्टता, नियंत्रित तनाव वृद्धि, राजनीतिक संयम, तकनीकी असमानता और नैरेटिव की प्रतिस्पर्धा हैं। इसमें ग्रे जोन ऑपरेशन तो महज औजार हैं, जबकि ग्रे जोन परिस्थितियां वो व्यापक रणनीतिक वातावरण बनाती हैं, जिनमें हालिया संघर्ष घट रहे हैं। 21वीं सदी के वारफेयर को इसी अंतर से समझा जा सकता है। पारंपरिक संघर्ष स्पष्टतः दो चीजों बजाय, देश या दूसरे नॉन-स्टेट समूह संघर्ष में स्थितिजन्य लाभ, रणनीतिक बढ़त और मनोवैज्ञानिक प्रभाव हासिल करने की कोशिश करते हैं। साथ ही वे उस सीमा को पार करने से भी बचते हैं, जहां हालात को राजनीतिक रूप से संभालना कठिन हो। ईरान युद्ध में आज यही दिख रहा है। ये अस्पष्टता संघर्ष की कोई आकस्मिक घटना नहीं, बल्कि एक सोचा-समझा रणनीतिक हथियार बन चुकी है। इस बदलाव के लिए कई संरचनात्मक फैक्टर्स उत्तरदायी हैं। परमाणु हथियारों के कारण बड़ी ताकतें सावधानी बरतती हैं। परस्पर आर्थिक निर्भरता लंबे संघर्षों की कीमत बहुत बढ़ा देती है। सूचना क्रांति ने जवाबी कार्रवाई का समय बहुत कम कर दिया और सोशल मीडिया को युद्धक्षेत्र जैसा बना दिया है। सबसे अहम यह है कि तकनीकी कठिन होता जा रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध में भी यह साफ दिखता है। बड़े पारंपरिक सैन्य टकराव के बावजूद यह युद्ध आज भी परमाणु धमकियों, प्रतिबंधों, साइबर ऑपरेशनों और ड्रोन वारफेयर से निर्मित व्यापक ग्रे जोन में अटका है। भारी संसाधन खपाने के बावजूद किसी को निर्णायक बढ़त नहीं मिली। गाजा, लेबनान और यमन के संघर्षों में भी नजर आता है कि सैन्य श्रेष्ठता अब राजनीतिक समाधान की गारंटी नहीं देती। इजराइल के पास जबरदस्त सैन्य बढ़त है, लेकिन निर्णायक परिणाम हासिल नहीं हो सका, क्योंकि हूती जैसे समूह सस्ते ड्रोन और मिसाइलों के हमलों से लाल सागर के अहम समुद्री मार्गों को बाधित कर रहे हैं। कमजोर प्रतिद्वंद्वी अब पूरी जीत नहीं, बल्कि टिके रहने, बाधा डालने और बने रहने की क्षमता हासिल करना चाह रहे हैं। तकनीक के प्रसार ने भी कमजोर देशों और प्रॉक्सी समूहों की ड्रोन, साइबर टूल्स, सटीक मार करने वाली मिसाइलों और इन्फॉर्मेशन वारफेयर की क्षमताओं तक पहुंच सुलभ कर दी है। भले ही वे युद्ध जीतने में सक्षम न हों, लेकिन उनके पास मजबूत प्रतिद्वंद्वियों की निर्णायक जीत को रोके रखने की अभूतपूर्व क्षमता है। अब इससे एक नई रणनीतिक स्थिति पैदा हुई- जीत मिले बिना युद्ध से अलग होना। अकसर युद्ध अब औपचारिक शांति समझौते या आत्मसमर्पण से नहीं, बल्कि एक असहज विराम, अस्थायी सीजफायर या प्रबंधित तरीके से मिलिट्री डिसइंगेजमेंट के रूप में खत्म होते हैं। बड़ी ताकतें सैन्य श्रेष्ठता बनाए रखती हैं, लेकिन राजनीतिक उद्देश्य पूरी तरह हासिल नहीं कर पातीं। निर्णायक परिणामों का स्थान अब रणनीतिक थकान लेने लगी है। एक और महत्वपूर्ण बदलाव है- युद्धक्षेत्र का विस्तार। युद्ध अब केवल सेना और सीमा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि बुनियादी ढांचा, संचार प्रणाली, एनर्जी ग्रिड, वित्तीय नेटवर्क और आम धारणा- ये सब भी युद्धक्षेत्र में आ चुके हैं। सैन्य अभियानों के साथ नैरेटिव मैनेजमेंट भी प्रमुख रणनीतिक साधन बन गया है। जो देश लंबे तनाव के दौरान सामाजिक एकता, आर्थिक स्थिरता और जनता का भरोसा बनाए रख सकेंगे, दीर्घकालिक रणनीतिक बढ़त उन्हें ही मिलेगी। निर्णायक परिणाम वाले युद्धों का युग समाप्त हो रहा है। उनकी जगह ऐसी स्थायी प्रतिस्पर्धाएं ले रही हैं, जो पारंपरिक युद्ध की सीमा के आसपास और उसके भीतर जारी रहती हैं। रणनीतिक अस्पष्टता अब एक प्रमुख हकीकत बन चुकी है। (ये लेखक के अपने विचार हैं,सैयद अता हसनैन)

25 मिनट' तकनीक से व्यक्ति सर्वश्रेष्ठ परिणाम हासिल कर सकता है

'सर, प्लीज बताइए कि हमारे समय को कैसे मैनेज करें?' युवा मुझसे यही एक सवाल कई बार पूछ चुके हैं। जब भी वे पूछते हैं, मैं

तुरंत अपना जवाब ऐसे देता हूं कि 'माइंड को मैनेज करने के लिए आपको योग करने की जरूरत है।' और मेरी बात पूरी होने से पहले ही स्टूडेंट बीच में बोलेगा, 'सर, मैंने टाइम मैनेजमेंट के बारे में पूछा है।' मैं आत्मविश्वास से जवाब दूंगा- 'मैं भी यही कह रहा हूं कि माइंड को कैसे मैनेज करें।' युवक झुंझला कर कहेगा कि 'सर टाइम, टाइम ।' मैं जवाब दूंगा, 'क्या तुमने माइंड कहा?' वह भागता हुआ आएगा और सामने खड़े होकर चिल्लाएगा- 'सर, टाइम।' इससे अन्य लोग हंसेंगे, क्योंकि कुछ को लगेगा कि मैं कम सुनता हूं, बाकी समझ जाएंगे कि मैं प्रैंक कर रहा हूं। फिर मैं उसे स्टेज पर बुलाऊंगा और 1980 की एक कहानी सुनाऊंगा, जिसमें इटालियन यूनिवर्सिटी का एक छात्र फ्रांसेस्को सिरिलो परीक्षा की तारीखों को लेकर भारी दबाव में था और पढ़ाई से बेहद परेशान हो चुका था। उसे एहसास हुआ कि उसका दिमाग ध्यान भटकाने में माहिर है। वह घंटों डेस्क पर बैठता, लेकिन कुछ भी हासिल नहीं होता। परेशान होकर उसने खुद से शर्त लगाई कि क्या वह सिर्फ 10 मिनट तक पूरी तल्लीनता से और बिना रुकावट के पढ़ सकता है? उसने किचन में जाकर टमाटर जैसे आकार का और तेज आवाज करने वाला मैकेनिकल किचन टाइमर उठाया, जिसे इटालियन भाषा में 'पोमोडोरो' कहते हैं। उसने टाइमर को घुमा कर सेट किया और बैठ गया। शुरुआती कुछ कोशिशों में वह विफल रहा, क्योंकि अंदरूनी भटकाव उसे रोक रहा था। लेकिन वह समय सीमा बदलता रहा। आखिरकार उसे पता चला कि 25 मिनट का समय सबसे सही 'स्वीट स्पॉट' है- पर्याप्त लंबा कि काम में सार्थक प्रगति हो सके और पर्याप्त छोटा कि दिमाग भटकने की न सोचे। एक समय पर सिर्फ 25 मिनट के एक-एक ब्लॉक पूरे करते हुए सिरिलो फोकस की विफलता से यूनिवर्सिटी की परीक्षा पास करने तक पहुंच गया। अंततः उसने उसी छोटे किचन टाइमर को वैश्विक प्रोडक्टिविटी मूवमेंट में बदल दिया। आज सिरिलो द्वारा विकसित 'पोमोडोरो तकनीक' का इस्तेमाल पश्चिमी दुनिया में ऐसे बहुत-से लोग करते हैं, जिन्होंने टालमटोली की आदत छोड़ने के लिए सब आजमा लिया लेकिन विफल रहे। तो इसे कैसे करें? 5 स्टेप यहां पेश हैं :1. एक काम चुनें : जो करना चाहते

हैं, वो एक खास काम चुनें। 2. टाइमर सेट करें : 25 मिनट का टाइमर सेट करें। 3. काम करें : टाइमर बजने तक पूरा ध्यान उसी काम पर लगाएं। न मल्टीटास्किंग और न फोन चेक करें। 4. छोटा ब्रेक लें : टाइमर बजते ही 5 मिनट का ब्रेक लें। स्ट्रेच करें या कुछ पी लें। 5. लंबा ब्रेक लें : लगातार 25 मिनट के चार 'पोमोडोरो' पूरे करने के बाद 15-30 मिनट का री-स्टोरेटिव ब्रेक लें। यह तरीका इसलिए कारगर है, क्योंकि महज 25 मिनट काम का संकल्प लेना किसी घंटों लंबे भारी प्रोजेक्ट के बजाय कहीं कम डरावना होता है। सख्त टाइमर व्यक्ति का ध्यान कई चीजों में भटकाने के बजाय सिंगल टास्किंग माइंडसेट को प्रोत्साहित करता है। युवाओं को इसका यह फायदा मिलता है कि छोटे और नियमित अंतराल दिमाग को जरूरी आराम देते हैं, जिससे जानकारी प्रोसेस करना आसान होता है और दिनभर प्रोडक्टिविटी ऊंची रहती है। इसके लिए किसी खास टाइमर मशीन में निवेश की जरूरत नहीं है। पुराना साधारण टाइमपीस भी उपयोगी हो सकता है, लेकिन कृपया मोबाइल फोन न लें। अगर आप गहन अध्ययन या जटिल समस्या सुलझाने जैसे अत्यधिक दिमागी मेहनत के विषय पर काम कर रहे हैं तो इस तकनीक को अपनी ऊर्जा के हिसाब से ढाल सकते हैं। फंडा यह है कि कम से कम उन लोगों के लिए, जिन्हें टालमटोली की बहुत ज्यादा आदत है, 5 मिनट के ब्रेक लेते हुए काम को 25 मिनट के फोकस्ड हिस्सों में बांटना न सिर्फ थकान से बचाएगा, बल्कि फोकस को भी अधिकतम कर देगा। एन. रघुरामन

कहने का सलीका हो तो गैर-सलीकेदार बात भी ढंग से कह सकते हैं

लोकतंत्र की असली पहचान केवल चुनावों से ही नहीं, बल्कि इस बात से भी होती है कि वह असहमति को किस भाषा में व्यक्त करता है। राजनीति की भाषा हर जगह भाषा में संयम कम हुआ है और आक्रामकता बढ़ी है। विचारों की जगह विशेषणों ने ले ली है, तर्क की जगह तंज ने और संवाद की जगह शोर ने। और इस शोर समय की विडम्बना यह है कि अब भाषा का उद्देश्य समझाना कम और पराजित करना अधिक हो गया है। सार्वजनिक जीवन में शब्द अब पुल नहीं बनाते, खाइयां बनाते हैं। उद्देश्य समाधान खोजना नहीं, बल्कि विरोधी को नैतिक रूप से बुरा साबित करना बनता जा रहा है। सोशल मीडिया ने इस संकट को और गहरा किया है। यह सच

समाज की संस्कृति गढ़ती है। जब संवाद में संयम, सम्मान और संवेदनशीलता होती है, तब लोकतंत्र मजबूत होता है। लेकिन जब भाषा अपमान, कटुता और उत्तेजना से भर जाती है, तब विरोध दुश्मनी में बदलने लगता है।आज सार्वजनिक जीवन में यही सबसे बड़ी चिंता है। भारतीय लोकतांत्रिक परंपरा ने हमेशा गरिमापूर्ण असहमति को महत्व दिया है। इसलिए आवश्यक है कि राजनीति आलोचना को बनाए रखे, लेकिन संवाद की मर्यादा और व्यक्ति की गरिमा को न छोड़े।आज भारतीय लोकतंत्र के सामने जो सबसे गहरा संकट दिखाई देता है, वह केवल संस्थाओं का नहीं, बल्कि संवाद की संस्कृति का है। संसद से लेकर टीवी स्टूडियो तक, चुनावी मंचों से लेकर सोशल मीडिया तक- में ऐसा लगता है जैसे लोकतंत्र अब विमर्श नहीं, भौंडे प्रदर्शन का मंच बनता जा रहा है।हमें बिसराना नहीं चाहिए कि लोकतंत्र केवल चुनावों और सरकारों का नाम नहीं होता। वह मूलतः संवाद की एक सतत प्रक्रिया है- जहां सहमति और असहमति दोनों को स्थान मिलता था और मिलना चाहिए भी। लेकिन संवाद तभी संभव है जब भाषा में गरिमा बरकरार रहे और सम्मान बचा रहे।असहमति लोकतंत्र की स्वाभाविक शक्ति है; उसे अपमान में बदल देना लोकतंत्र की आत्मा को आहत करना है। किसी विचार से तीखा विरोध हो सकता है, किसी नीति की कठोर आलोचना भी जरूरी हो सकती है, लेकिन व्यक्ति की गरिमा पर हमला लोकतांत्रिक संस्कार का हिस्सा नहीं।हमारे विरोधी विचार रखने वाला व्यक्ति तुरंत देशद्रोही, एंटी-नेशनल, गोदी, अर्बन नक्सल या किसी अन्य खांचे में डाल दिया जाता है। यह प्रवृत्ति केवल राजनीतिक असहमति को सीमित नहीं करती, समाज के भीतर संवाद की संभावनाओं को भी कमजोर करती है। भारतीय लोकतंत्र की एक बड़ी खूबी उसकी विविधता रही है। यह देश अनेक भाषाओं, धर्मों, जातियों और संस्कृतियों का साझा घर है। ऐसे समाज में संवाद की भाषा स्वाभाविक रूप से संवेदनशील और समावेशी होनी चाहिए। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में राजनीति का स्वर अधिक विभाजनकारी हुआ है। हम बनाम वे की मानसिकता ने भाषा को भी प्रभावित किया है। अब संवाद का है कि सोशल मीडिया ने संवाद को लोकतांत्रिक बनाया, लेकिन उसने संवाद की गरिमा को भी कमजोर किया है। अब किसी विचार की गंभीरता से अधिक उसकी वायरल होने की क्षमता महत्वपूर्ण हो गई है। संयमित और विवेकपूर्ण बातों की तुलना में उत्तेजक टिप्पणियां अधिक तेजी से फैलती हैं।ट्रोल संस्कृति ने असहमति को गाली में बदल दिया है। अब यह कम महत्वपूर्ण है कि किसने बेहतर तर्क दिया; अधिक महत्वपूर्ण यह हो गया है कि किसने अधिक आक्रामक प्रतिक्रिया दी। इसलिए आज सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि कौन सत्ता में है, बल्कि यह है कि हम एक-दूसरे से किस भाषा में बात कर रहे हैं। (ये लेखक के अपने विचार हैं,प्रो. मनोज कुमार झा)

कला में डूबे रहें, ये आपकी उम्र बढ़ने की रफ्तार घटाएगा

क्या आपको दादाजी-नानाजी का दौर याद है? वे हर शाम कहां जाते थे- किसी मंदिर में, स्कूल या सामुदायिक सांस्कृतिक मीटिंग में। हमारी दादी-नानी अकसर म्यूजिक कॉन्सर्ट, घुमंतू मंडली का ड्रामा। कभी बच्चों का 'अरंगेत्रम', जिसमें वे पहली बार सार्वजनिक नृत्य प्रस्तुति देते थे या फिर दक्षिण भारत से कोई संत आकर रफ्तार कम से कम एक साल तक धीमी हो सकती है। रिसर्च कहती है कि आज के दौर की सांस्कृतिक गतिविधियों में पढ़ना, म्यूजिक कॉन्सर्ट सुनना, आर्ट गैलरी और को मेरी बेटी न्यूयॉर्क के म्यूजियम ऑफ मॉडर्न आर्ट गई थी और पूरे दिन में वह पांच मंजिला इमारत के तीन से ज्यादा फ्लोर नहीं देख पाई। मुंबई में बैठे-बैठे उसने मुझे वीडियो

रसोई में कहती रहती थीं- 'पता नहीं उन जगहों पर ऐसा क्या है कि दिनभर के काम से लौटने के बाद 15 मिनट भी घर नहीं रुकते।'दूसरों के बारे में तो नहीं जानता, लेकिन हमारी चॉल में उस दौर के ज्यादातर बुजुर्ग किसी न किसी सांस्कृतिक गतिविधि में जरूर व्यस्त रहते थे। बाद में मेरे पिता भी ऐसे ही हो गए। नागपुर में 'सरस्वती विद्यालय' संचालित करने वाली संस्था 'साउथ इंडियन एसोसिएशन' में उनकी सोमवार को मीटिंग होती थी।इसी स्कूल में मैं पढ़ा था और तीन यूनिट्स में फैले उन 150 घरों के लगभग 90% बच्चे वहीं पढ़ते थे। उन घरों के ज्यादातर लोग किसी न किसी मंदिर से जुड़े थे, जिनकी मीटिंग मंगलवार या गुरुवार को होती थीं। शनिवार, रविवार को सांस्कृतिक कार्यक्रम होते थे।जैसे, कर्नाटक 15 दिन या एक महीने तक रामायण, भगवान शिव, उनके पुत्र भगवान कार्तिकेय या दुर्गा मां जैसे विषयों पर धार्मिक प्रवचन देते थे। अब इस विषय से अलग एक बात बताता हूं। मेरे परिवार के और जहां मैंने बचपन बिताया, उस इलाके के ज्यादातर पुरुष- जो खुद को सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय रखते थे- 90 साल से ज्यादा या कम से कम 80 के पार तो जरूर जिए। जबकिउनकी पत्नियां पहले गुजर गईं। तब हममें से किसी को नहीं पता था कि इसका कला-संस्कृति में समय बिताने से भी कोई संबंध हो सकता है।लेकिन मुझे यह किस्सा इस बुधवार को याद आया, जब मैंने यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन की एक रिसर्च पढ़ी कि हफ्ते में एक बार सांस्कृतिक गतिविधि में शामिल होने से उम्र बढ़ने की थिएटर जाना, पेंटिंग करना, वाद्ययंत्र बजाना, आर्ट डॉक्यूमेंट्री देखना और म्यूजियम या प्रदर्शनियों में जाना शामिल है।दरअसल, अपने वयस्क जीवन से ज्यादा सांस्कृतिक कार्यक्रम मैंने बचपन में अपने ग्रैंडपैरेंट्स के साथ देखे थे। मेरे नाना सुबह-शाम मंदिर जाना कभी नहीं छोड़ते थे। उन्हीं से मुझे संगीत कार्यक्रम और प्रवचन सुनने की आदत लगी। यहां तक कि आज भी मैं पवई फाइन आर्ट्स सोसाइटी और षणमुखानंद सभा जैसी कई 'सभाओं' का आजीवन सदस्य हूं। लाइव परफॉर्मेंस देखना मेरे लिए बेहद आनंददायक होता है। चूंकि मैं खुद भी परफॉर्मर हूं, इसलिए कलाकारों की बॉडी लैंग्वेज, शब्द-चयन और हास्यबोध से सीखता हूं। लाइव परफॉर्मेंस मुझे सिनेमा से ज्यादा ?सिखाती हैं। हाल ही में 12 मई कॉल पर वे फ्लोर दिखाए। नतीजतन, आज मैं मॉडर्न आर्ट पर पांच मिनट तो बात कर ही सकता हूं। ऐसे जुड़ाव मुझे अपनी 'सिसिफस' जैसी अंतहीन टु-डु लिस्ट के बारे में सोचते रहने से बचाते हैं। फिर चाहे यह स्टेडियम में फुटबॉल या क्रिकेट मैच देखना ही क्यों न हो, मुझे बाहर जाकर ऐसी चीज से जुड़ना पसंद है, जो मुझसे बहुत बड़ी हो और जिसे मैं अकेला नहीं कर सकता। किसी दूसरी दुनिया में झांकना और अपनी संभावनाओं को समझना मुझे रोमांचित करता है। फंडा यह है कि आधुनिक रिसर्च भले यह दावा करती हो कि सांस्कृतिक गतिविधियों में शामिल होने से जिंदगी के कुछ साल बढ़ जाते हैं, लेकिन शायद हमारे बुजुर्ग शायद पहले से यह जानते थे कि निश्चित ही इससे जिंदगी ज्यादा अर्थपूर्ण बन जाती है। एन. रघुरामन

कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर 6 जून को भारत लौटेंगे,शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को लेकर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करेंगे

नयी दिल्ली।कोर्ट ने सरकार और एक्स से 4 हफ्ते में जवाब मांगा। दिल्ली हाईकोर्ट में दिपके ने सीजेपी का एक्स अकाउंट ब्लॉक किए जाने को चुनौती दी है। इस पर जस्टिस पुरुषेन्द्र कुमार कौरव की बेंच ने कहा कि सरकार का पक्ष सुने बिना ऐसा आदेश नहीं दिया जा सकता, क्योंकि मामले के व्यापक प्रभाव और दूरगामी परिणाम हैं। अगली सुनवाई 6 जुलाई को होगी। दिपके बोले- सीजेपी राजनीतिक और सामाजिक व्यंग्य-सीजेपी राजनीतिक और सामाजिक व्यंग्य (सटायर) पर आधारित पहल है। अगर कुछ पोस्ट आपत्तिजनक हैं, तो सिर्फ उन्हें ब्लॉक किया जा सकता है। पूरे अकाउंट को बंद करना सही नहीं है। पहले भी ऐसे मामलों में अदालतें राहत दे चुकी हैं और कुछ अकाउंट बहाल हुए हैं। कोर्ट बोला- ब्लॉकिंग ऑर्डर की वजह अभी साफ नहीं-फिलहाल सिर्फ नोटिस जारी किया जा सकता है। इस मामले में कानून अभी शुरुआती दौर में है। ब्लॉकिंग ऑर्डर की वजह अभी साफ नहीं है। न याचिकाकर्ता ने ब्लॉकिंग ऑर्डर देखा है, न कोर्ट ने। जिन पुराने मामलों का हवाला दिया गया, वे अलग थे। वहां कुछ पोस्ट विवादित थीं, यहां पूरे अकाउंट की गतिविधियों पर सवाल है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि- 'इंटरमीडियरी (एक्स) याचिकाकर्ता की मदद करता दिख रहा है। सरकार का पक्ष सुने बिना कोई आदेश नहीं दिया जाना चाहिए। जरूरत पड़ने पर ब्लॉकिंग ऑर्डर और पूरा रिकॉर्ड कोर्ट के सामने रखा जा सकता है।' राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देकर ब्लॉक हुआ था अकाउंट- दिपके ने उस सरकारी आदेश को चुनौती दी है, जिसके तहत राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी कारणों का हवाला देकर सीजेपी का एक्स हैंडल ब्लॉक किया गया था। याचिका एडवोकेट नकुल गांधी ने दायर की है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, इंटेलिजेंस ब्यूरो के इनपुट के आधार पर केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए कार्रवाई की थी। इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 69ए के तहत एक्स को अकाउंट ब्लॉक करने का निर्देश दिया था। 21 मई को एक्स अकाउंट बंद हुआ तो नया बनाया-सीजेपी का एक्स अकाउंट 21 मई ब्लॉक कर दिया गया था।

जब पुराना अकाउंट बंद हुआ, तब 1.93 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स थे। संगठन ने कुछ देर बाद नया अकाउंट बनाया। इसका नाम 'कॉकरोच इज बैक' रखा गया और बायो में लिखा- कॉकरोच डोंट डाय यानी कॉकरोच मरते नहीं। एक्स पर इसके सोमवार दोपहर 2 बजे तक 240.08वेज फॉलोअर्स हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट में अभिजीत दिपके को भारत लाने की मांग को लेकर भाजपा कार्यकर्ता ने याचिका लगाई है।

सुप्रीम कोर्ट ने 24 मई को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) से जुड़े व्यक्तियों की गतिविधियों की सीबीआई से जांच करवाने की मांग पर तुरंत सुनवाई करने से इनकार कर दिया।कोर्ट में याचिकाकर्ता के वकील एनके गोस्वामी ने कहा कि सीजेपी, ज्यूडीशियरी की इमेज खराब कर रही है।

इसके बाद सीजेआई और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल पंचोली की बेंच ने कहा, 'इसे इतनी भावुकता से मत लें।'

18-29 के सिर्फ 25फीसदी युवाओं को स्किन कैंसर की चिंता,जेन-जी स्किन कैंसर अनदेखा कर रहे, टैनिंग ट्रेंड से खतरें बढे

नयी दिल्ली। दुनिया भर में जेन-जी स्किन कैंसर जैसी गंभीर बीमारी की चेतावनियों को लगातार नजरअंदाज कर रही है। त्वचा रोग विशेषज्ञ के मुताबिक, सेहत, नींद और एक्सरसाइज को प्राथमिकता देने वाली यह पीढ़ी टैनिंग बेड और तेज धूप से जानबूझकर टैनिंग कर रही है। सोशल मीडिया पर वायरल भ्रामक दावे और 'टैनफ्लूएंसर्स' का असर इतना है कि कई युवा, वैज्ञानिक चेतावनियों को मजाक समझ रहे हैं। अमेरिकन एकेडमी ऑफ डर्मेटोलॉजी के नए सर्वे के मुताबिक, 18 से 29 साल के सिर्फ 25फीसदी युवाओं को जीवन में स्किन कैंसर होने की चिंता है। आम आबादी में यह आंकड़ा 39फीसदी है। सर्वे में 20फीसदी युवाओं ने माना कि स्किन कैंसर से बचने की तुलना में टैनिंग ज्यादा जरूरी है। 25फीसदी युवाओं ने कहा कि बाद में टैनिंग से खराब दिखने की तुलना में अभी टैनिंग से खूबसूरत दिखना ज्यादा बेहतर है। प्रभाव - सोशल मीडिया के भ्रमजाल

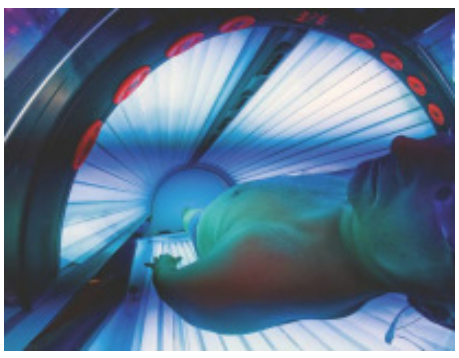

में फंस रहे युवा-विशेषज्ञों का कहना है कि कुछ युवा डॉक्टरों और माता-पिता की चेतावनियों को नजरअंदाज कर रहे हैं, तो कई सोशल मीडिया के भ्रमजाल में फंस रहे हैं। रिपोर्ट में अमेरिकी स्वास्थ्य सचिव रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर जैसे सार्वजनिक चेहरे भी टैनिंग बेड का इस्तेमाल करते हैं। उधर, अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक (एफडीए) ने नाबालिगों के लिए टैनिंग बेड पर प्रतिबंध का प्रस्ताव हाल ही में वापस ले लिया। अमेरिका - हर 5वें व्यक्ति में स्किन कैंसर का खतरा-डॉक्टरों के मुताबिक स्किन कैंसर अमेरिका में सबसे आम और रोका जा सकने वाला कैंसर है। 70 की उम्र तक हर 5 में से 1 व्यक्ति को इससे खतरा संभव है। 5 या अधिक सनबर्न से मेलानोमा का खतरा दोगुना होता है। बावजूद युवा बचाव नहीं अपना रहे। टिकटॉक पर झूठे दावों से स्किन कैंसर खतरा बढ़ा-टिकटॉक और इंस्टाग्राम पर सनस्क्रीन से कैंसर जैसे झूठे दावे फैल रहे हैं। 65फीसदी युवा इन मिथकों पर भरोसा करते हैं। वे प्रिवेंटिव बॉटोक्स और ग्लास स्किन चाहते हैं, लेकिन टैनिंग बेड से त्वचा झुलसाकर डीएनए को नुकसान पहुंचा रहे हैं। सोशल मीडिया के चलते गाइडलाइंस की अनदेखी- डॉक्टरों के अनुसार सोशल मीडिया पर हमउम्र लोगों को देख युवाओं को टैनिंग का जोखिम कम लगता है। इंफ्लुएंसर्स बिना वैज्ञानिक प्रमाण सलाह देते हैं। इससे डब्ल्यूएचओ की सनस्क्रीन और धूप से बचाव जैसी गाइडलाइंस वायरल नहीं होतीं, जबकि भ्रामक बातें तेजी से फैलती हैं।

भारतीय जमीन कब्जाने के दावे का नेपाली संसद में विरोध, विपक्ष बोला- पीएम बालेन सबूत दें, या अपने शब्द वापस लें

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने रविवार को कहा था कि सिर्फ भारत ने ही नेपाली जमीन पर कब्जा नहीं किया, बल्कि नेपाल ने भी कुछ भारतीय इलाकों पर कब्जा किया है। इस बयान का आज नेपाल की संसद में जमकर विरोध हुआ, विपक्षी दलों ने बालेन शाह से भारत से जुड़े इस विवादित दावे पर जवाब मांगा। विपक्षी सांसदों ने प्रधानमंत्री से कहा कि या तो वे अपने बयान को वापस लें या फिर इसके समर्थन में ठोस सबूत पेश करें। विपक्ष का आरोप है कि प्रधानमंत्री का यह दावा नेपाल के राष्ट्रीय हितों को नुकसान पहुंचाने वाला है। सांसदों का कहना है कि बिना पर्याप्त सबूत के इस तरह का बयान देश की विदेश नीति और पड़ोसी देशों के साथ संबंधों पर असर डाल सकता है।

अहमदाबाद में धमाके की धमकी,लेटर में दाऊद और लश्कर-ए-तैयबा का जिक्र,लेटर जहां मिला वहां तीन विदेशी रुके हुए थे

अहमदाबाद। अहमदाबाद के एसपी स्टेडियम के पास स्पोर्ट्स क्लब में ब्लास्ट करने की धमकी भरा लेटर मिला है। लेटर में दाऊद और लश्कर-ए-तैयबा के जिक्र के बाद लिखा है कि क्लब में 21 जून को ब्लास्ट होगा। स्पोर्ट्स क्लब के जिस कमरे में लेटर मिला है, उसमें तंजानिया के तीन व्यापारी ठहरे हुए थे। कमरा खाली होने के बाद सफाईकर्मी जब सफाई कर रहे थे, तब अलमारी से चिट्ठी मिली। तीनों अभी भारत में ही हैं। जानकारी मिलने के बाद बॉम्ब स्क्वॉड, एसओजी (एसओजी), डॉग स्क्वॉड सहित कई टीमें मौके पर पहुंचीं और जांच शुरू कर दी। लेकिन दो घंटे तक जांच करने के बाद भी कुछ भी नहीं मिला। पूरे मामले पर डीसीपी हर्षद पटेल ने बताया कि पलक डॉक्टर के रेफरेंस से कुछ व्यापारी 29 मई को क्लब के कमरे में ठहरे थे। उन्होंने 30 मई को चेकआउट किया था। कमरे की सफाई के दौरान पेंसिल से लिखी हुई एक चिट्ठी मिली थी, जिसमें 21 जून को क्लब को बम से उड़ा देने की धमकी दी गई है। जिसके रेफरेंस से व्यापारी यहां ठहरे थे, उससे पुलिस बातचीत कर रही है। चिट्ठी किसने लिखी है और रखी है, उसकी जांच चल रही है।चंडीगढ़ के नामी स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) सेक्टर-40, स्ट्रॉबेरी फील्ड्स और सेक्टर-25 के चितकारा इंटरनेशन स्कूल को ई-मेल के जरिए ब्लास्ट की धमकी दी गई। जिसके बाद पुलिस, बम स्क्वायड और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। ई-मेल में कहा गया कि 1 बजे स्कूलों में ब्लास्ट करेंगे। 3.11 बजे हरियाणा के सीएम ऑफिस में भी ब्लास्ट करेंगे। चंडीगढ़ खालिस्तान बनेगा। अंबाला से दिल्ली तक के रेलवे ट्रैक पर लगातार धमाके किए जाएंगे। धमकी मिलने के बाद स्कूल प्रबंधन ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस बोली- बच्चे-टीचर्स सुरक्षित, कोई खतरा नहीं-मोहाली के न्यू चंडीगढ़ में स्ट्रॉबेरी फील्ड्स हाई स्कूल को धमकी भरे ईमेल मिलने की जानकारी मिलने के बाद एसएएस नगर पुलिस ने तुरंत एक्शन लिया और स्कूल में स्पेशल सिक्योरिटी चेकिंग और कड़ी निगरानी शुरू कर दी।

उत्तराखंड में भारत-चीन व्यापार के लिए ट्रेड पास ऑफिस खुला,पहले दिन 20 आवेदन,नार्मल पासपोर्ट से कितना अलग?

पिथौरागढ़।प्रशासन का कहना है कि व्यापार संचालन के लिए आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। 3. गुंजी में कस्टम ऑफिस और बैंक शाखा शुरू-जिलाधिकारी आशीष भटगांई के अनुसार भारत-चीन व्यापार को देखते हुए धारचूला से 72 किलोमीटर दूर गुंजी में कस्टम कार्यालय, बैंक शाखा और अन्य जरूरी कार्यालय शुरू कर दिए गए हैं। आयात-निर्यात होने वाले सामान की जांच यहीं होगी। सुरक्षा, संचार और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को भी अंतिम रूप दे दिया गया है। नेपाली हेल्परों को अनुमति देने की मांग- भारत-चीन व्यापार समिति के अध्यक्ष जीवन सिंह रोंकली ने शासन और प्रशासन से नेपाली हेल्परों को साथ ले जाने की अनुमति देने की मांग की है। उनका कहना है कि भारत में पर्याप्त संख्या में हेल्पर नहीं मिल पाते, जबकि नेपाल में आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। समिति के महासचिव दौलत सिंह रायपा ने सात साल बाद व्यापार शुरू होने पर केंद्र और राज्य सरकार का आभार जताया। सामान्य पासपोर्ट से इतना अलग ट्रेड पास-1. विदेश यात्रा का नहीं, सीमा व्यापार का दस्तावेज-सामान्य पासपोर्ट भारत सरकार का आधिकारिक यात्रा दस्तावेज है, जिसके जरिए व्यक्ति वीजा नियमों के तहत दुनिया के विभिन्न देशों की यात्रा कर सकता है। इसके विपरीत भारत-तिब्बत ट्रेड पास केवल सीमा व्यापार से जुड़े अधिकृत लोगों को जारी किया जाता है। यह पर्यटन, नौकरी या अन्य अंतरराष्ट्रीय यात्रा के लिए मान्य नहीं होता। 2. तय मार्ग और सीमित अवधि के लिए मान्य-सामान्य पासपोर्ट कई वर्षों तक वैध रहता है और धारक को विभिन्न देशों की यात्रा की अनुमति देता है। वहीं ट्रेड पास केवल निर्धारित ट्रेड सीजन और अधिकृत व्यापारिक मार्ग, जैसे लिपुलेख दर्रा-तकलाकोट क्षेत्र के लिए ही जारी किया जाता है। इसकी वैधता सीमित होती है और अवधि समाप्त होने पर इसका उपयोग नहीं किया जा सकता। 3. विशेष अनुमति-पत्र, जिसमें भूमिका भी तय होती है-ट्रेड पास सामान्य पहचान दस्तावेज नहीं, बल्कि सीमा व्यापार के लिए जारी विशेष अनुमति-पत्र है। यह केवल पंजीकृत व्यापारियों, उनके सहायकों, पोर्टर, कुली और म्यूल (खच्चर) चालकों को दिया जाता है। पास में धारक की श्रेणी भी दर्ज होती है। इसे किसी अन्य व्यक्ति को हस्तांतरित नहीं किया जा सकता और ट्रेड सीजन समाप्त होने पर संबंधित प्राधिकरण को वापस जमा करना पड़ता है। भारत-तिब्बत ट्रेड पास सामान्य पर्यटकों के लिए नहीं, बल्कि सीमा व्यापार से जुड़े पंजीकृत व्यापारियों, उनके सहायकों, पोर्टर, कुली और म्यूल (खच्चर) चालकों को जारी किया जाता है। पास बनवाने के लिए आवेदक का नाम सीमा व्यापार या पंजीकृत व्यापारी सूची में होना जरूरी है। इसके बाद आवेदन ट्रेड कार्यालय या जिला प्रशासन के पास जमा किया जाता है। आवेदन मिलने पर एसआईबी (स्पेशल इन्वेस्टिगेशन ब्रांच) समेत अन्य सुरक्षा और प्रशासनिक जांच होती है। सभी मंजूरियां मिलने के बाद ट्रेड पास जारी किया जाता है। इसके लिए पहचान पत्र, स्थानीय निवासी या व्यापारी प्रमाण, व्यापार पंजीकरण दस्तावेज, फोटो और सुरक्षा क्लीयरेंस से जुड़े रिकॉर्ड की जरूरत पड़ सकती है। अंतिम दस्तावेजों की सूची संबंधित जिला प्रशासन की अधिसूचना के अनुसार तय होती है। अब तक लिपुलेख दर्रे से होने वाला कारोबार पूरी तरह पारंपरिक ढुलाई व्यवस्था पर निर्भर था। व्यापारी धारचूला से गुंजी, कालापानी और नाभीढांग होते हुए कई दिन की कठिन यात्रा कर दर्रे तक पहुंचते थे। सामान घोड़े-खच्चरों, याक और पोर्टरों के जरिए ढोया जाता था। खराब मौसम और भूस्खलन कई बार व्यापार रोक देते थे। कुमाऊं यूनिवर्सिटी की शोधकर्ता सुमन जोशी के मुताबिक पहले सीमांत समुदाय नेपाल से चावल, जौ और गेहूं लेकर तिब्बत की ग्यानिमा और गरहाटोक मंडियों तक पहुंचते थे, जहां बदले में नमक और बोरेक्स लिया जाता था। कई जगह एक नाली चावल के बदले पांच नाली नमक तक का विनिमय होता था। अब सड़क बनने के बाद करीब 100 किलोमीटर तक वाहन सीधे सीमा के करीब पहुंच सकेंगे। सिर्फ अंतिम करीब 200 मीटर तक ही सामान पारंपरिक तरीके से ले जाया जाएगा। इसके बाद चीन क्षेत्र में सड़क मार्ग उपलब्ध रहेगा, जहां से व्यापारी करीब 18 किलोमीटर दूर तकलाकोट मंडी पहुंचेंगे। करीब 7 साल तक व्यापार बंद रहने के दौरान तकलाकोट की पुरानी मंडी की कई दुकानें नेपाली और अन्य व्यापारियों को आवंटित कर दी गई थीं। अब भारतीय और नेपाली व्यापारियों के लिए नई ट्रेड मंडी विकसित की गई है। इसी नई मंडी में भारतीय व्यापारियों को दुकानें दी जाएंगी। व्यापार समिति का कहना है कि नई मंडी पहले के मुकाबले ज्यादा व्यवस्थित है और वहां सामान रखने के लिए अधिक जगह उपलब्ध होगी। भारतीय व्यापारियों के लिए रियायती किराए और बेहतर लॉजिस्टिक सुविधा की भी मांग की गई है। व्यापार से जुड़े लोगों का मानना है कि सड़क और आधुनिक सुविधाओं के कारण आने वाले वर्षों में कारोबार का दायरा और बढ़ सकता है। 2019 में इस मार्ग से करीब तीन करोड़ रुपए का व्यापार हुआ था, जिसमें लगभग 1.25 करोड़ रुपए का निर्यात और 1.90 करोड़ रुपये का आयात शामिल था। अब सड़क और आधुनिक सुविधाओं के साथ व्यापार फिर शुरू होने जा रहा है, ऐसे में इस आंकड़े के काफी बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। व्यापार बंद होने के कारण कई भारतीय व्यापारी अपना सामान तिब्बत की तकलाकोट मंडी में ही छोड़ आए थे। पिछले छह साल से करीब 45 व्यापारियों का एक करोड़ रुपये से ज्यादा का सामान वहां फंसा हुआ है। अब व्यापार शुरू होने से इन व्यापारियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है, क्योंकि वे अपना सामान वापस ला सकेंगे या उसे बेच सकेंगे। सदियों से व्यापार, संस्कृति और भरोसे का रास्ता रहा लिपुलेख-लिपुलेख दर्रा सिर्फ सीमा कारोबार का रास्ता नहीं, बल्कि सदियों से भारत, नेपाल और तिब्बत के बीच संपर्क का प्रमुख मार्ग रहा है। सीमांत क्षेत्रों में लंबे समय तक वस्तु विनिमय प्रणाली पर आधारित व्यापार चलता था। ब्रिटिश अधिकारी और लेखक सर फ्रांसिस एडवर्ड यंगहसबैंड ने अपनी किताब 'इंडिया एंड तिब्बत' में हिमालयी व्यापारिक रास्तों को भारत और तिब्बत के बीच सांस्कृतिक और व्यापारिक संपर्क का माध्यम बताया था। इन रास्तों से सिर्फ सामान नहीं, बल्कि परंपराएं, भाषाएं और सीमांत समाजों के रिश्ते भी एक इलाके से दूसरे इलाके तक पहुंचते थे। तिब्बत के साथ यह संपर्क सिर्फ मंडियों तक सीमित नहीं था। सीमांत इलाकों के मेले, धार्मिक यात्राएं और कारोबारी काफिले भारत, नेपाल और तिब्बत के बीच सामाजिक संबंधों का भी आधार बने हुए थे। जौलजीबी जैसे मेले लंबे समय तक त्रिपक्षीय व्यापारिक केंद्र के रूप में पहचाने जाते रहे। कौन हैं रं समुदाय, जिन्होंने जिंदा रखा हिमालयी व्यापार-लिपुलेख दर्रे से होने वाले पारंपरिक व्यापार में रं समुदाय की सबसे अहम भूमिका रही है। यह समुदाय मुख्य रूप से पिथौरागढ़ की ब्यास, दारमा और चौंदास घाटियों में निवास करता है। रं समाज को भोटिया या शौका समुदाय का हिस्सा भी माना जाता है। सदियों तक यही समुदाय दुर्गम हिमालयी रास्तों में भारत-तिब्बत व्यापार को जिंदा रखे हुए था। इनके रहन-सहन, खानपान और पहनावे में तिब्बती संस्कृति की झलक दिखाई देती है। यह समुदाय अपनी ऊनी बुनाई, लोक संस्कृति और सीमांत जीवनशैली के लिए जाना जाता है। 2011 की जनगणना के अनुसार उत्तराखंड में भोटिया जनजाति की आबादी 39 हजार से ज्यादा थी। व्यापार से पहले पी जाती थी शराब-सुमन जोशी की एक सोध के अनुसार ऊंचे इलाकों में बर्फबारी होने पर कई भोटिया परिवार सर्दियों में नेपाल के निचले इलाकों में अस्थायी घर बनाकर रहते थे, जबकि गर्मियों में व्यापारिक काफिलों के साथ तिब्बत की मंडियों तक पहुंचते थे। नेपाल और तिब्बत के बीच यही सीमांत समुदाय कारोबारी पुल की तरह काम करता था। व्यापार शुरू करने से पहले भारतीय व्यापारियों और तिब्बती कारोबारियों के बीच 'Share Chu-Dul Chyu' नाम की मित्रता रस्म निभाई जाती थी। दोनों पक्ष चांदी के पात्र में शराब पीते, घी, सत्तू, ऊन और सोने को छूकर भरोसे का प्रतीक मानते थे। दोस्ती के प्रमाण के तौर पर पत्थर के टुकड़े तक संभालकर रखे जाते थे। सीमांत बाजारों से मैदानों तक पहुंचता था सामान- ब्रिटिश दौर में जौलजीबी, झूलाघाट और धारचूला जैसे सीमांत कस्बे भारत-नेपाल-तिब्बत व्यापार के प्रमुख केंद्र माने जाते थे। व्यापारी घी, शहद, गुड़, नमक, ऊन, कालीन, जड़ी-बूटियां और पशु उत्पाद लेकर इन मंडियों तक पहुंचते थे। कई व्यापारी यहां से सामान लेकर टनकपुर, हल्द्वानी और काठगोदाम की मंडियों तक जाते थे।नेपाल से आने वाले लोग 10 से 15 दिन तक पैदल सफर कर झूलाघाट पहुंचते थे। उस दौर में नेपाल से घी, शहद और खुकरी आती थी, जबकि भारत से कपड़ा, नमक, चीनी और दूसरी जरूरी वस्तुएं वहां भेजी जाती थीं। जौलजीबी मेला लंबे समय तक भारत, नेपाल और तिब्बत के बीच पारंपरिक व्यापारिक केंद्र के रूप में जाना जाता रहा। व्यापार खुलने से सीमांत इलाकों में बढ़ी नई उम्मीद-लंबे समय तक सीमा कारोबार बंद रहने से धारचूला, गुंजी और आसपास के सीमांत इलाकों की आर्थिक गतिविधियां प्रभावित हुई थीं। स्थानीय दुकानदारों, ट्रांसपोर्ट कारोबारियों, पोर्टरों और घोड़े-खच्चर संचालकों पर इसका सीधा असर पड़ा था। अब व्यापार फिर शुरू होने की खबर के बाद सीमांत क्षेत्रों में हलचल बढ़ने लगी है। स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि आदि कैलाश यात्रा और सीमा व्यापार के साथ रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। व्यापार समिति का कहना है कि सड़क और आधुनिक परिवहन व्यवस्था के कारण युवा व्यापारी भी अब इस कारोबार में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। यदि बैंकिंग, मुद्रा विनिमय और परिवहन व्यवस्था मजबूत हुई तो यह कारोबार सीमांत अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा सहारा बन सकता है। लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा क्षेत्र को लेकर नेपाल पहले भी आपत्ति जता चुका है। 2019 में भारत सरकार के नए नक्शे के बाद नेपाल ने भी नया राजनीतिक नक्शा जारी किया था, जिसमें उसने इस पूरे क्षेत्र पर दावा किया था। बाद में नेपाल संसद ने भी इसे मंजूरी दे दी थी।नेपाल का दावा है कि यह इलाका उसका हिस्सा है, जबकि भारत सिगौली संधि के आधार पर इसे अपना क्षेत्र मानता है। यही वजह है कि भारत-चीन व्यापार और कैलाश मानसरोवर यात्रा से जुड़ा यह पूरा इलाका रणनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील माना जाता है।

अखिलेश पर्ची से नहीं,सर्वे से चुनेंगे जिताऊ कैंडिडेट, रिटायर्ड आईएएस को जिम्मेदारी, कांग्रेस को दे सकते हैं 70-75 सीटें

लखनऊ। यूपी में समाजवादी पार्टी 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले संभावित कैंडिडेट्स का सर्वे करवा रही है। टिकट के दावेदार जमीन पर कितने मजबूत हैं, इसको 2 तरह से जांचा जा रहा है। पहला- प्राइवेट एजेंसी से सर्वे करवाकर। दूसरा- लोकल लीडर के फीडबैक के आधार पर। सर्वे की मॉनिटरिंग खुद अखिलेश यादव कर रहे हैं। पार्टी सूत्रों का दावा है कि इस बार टिकट वितरण में सर्वे और फीडबैक को प्राथमिकता दी जाएगी। सिफारिशें नहीं चलेंगी। सपा उन्हीं चेहरों को मैदान में उतारेगी, जिनका अपने क्षेत्र में मजबूत जनाधार होगा। छवि बेदाग होगी और वो जिताऊ कैंडिडेट होंगे। सर्वे टीम की कमान रिटायर्ड आईएएस आलोक रंजन संभाल रहे हैं। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में कांग्रेस को 70 से 75 सीटें देने का सुझाव दिया है। रिटायर्ड आईएएस कर रहे सपा की मदद-यूपी की 403 विधानसभा सीटों पर सपा अपने संभावित दावेदारों पर काम शुरू कर चुकी है। सूत्रों के मुताबिक, यूपी सरकार के रिटायर्ड आईएएस अफसर आलोक रंजन इसकी कमान संभाल रहे हैं। उनकी अगुआई में लखनऊ के गोमतीनगर में एक ऑफिस भी बनाया गया है। यहां लखनऊ की एक यूनिवर्सिटी के अर्थशास्त्र विभाग के एक प्रोफेसर, 2 रिसर्च स्कॉलर, कई सपोर्ट स्टाफ संभावित चेहरों पर काम तकरीबन पूरा कर चुके हैं। इस टीम ने उम्मीदवारों के सिलेक्शन से जुड़ी एक रिपोर्ट तैयार कर ली है। इसमें सपा के सीटवार संभावित प्रत्याशियों के नाम हैं। इस रिपोर्ट में इस तरह के सवालों का जिक्र है। जैसे-क्या ये कैंडिडेट चुनाव जीत सकता है? क्या ये कैंडिडेट जातिगत समीकरण पर फिट बैठता है? क्या कैंडिडेट को क्षेत्र में लोग पसंद करते हैं? क्या कैंडिडेट की छवि बेदाग है? उसका कोई क्रिमिनल बैकग्राउंड तो नहीं है? क्या कैंडिडेट की अपने क्षेत्र के अलावा आसपास की सीटों पर भी दबदबा है? इस रिपोर्ट को सपा संगठन की कोर कमेटी के सामने रखा जाएगा। इसके बाद ही तय होगा कि किस सीट पर कौन सपा का कैंडिडेट होगा। रिटायर्ड आईएएस अफसर की टीम ने अपनी रिपोर्ट में सुझाव दिया है कि सपा का 2022 के विधानसभा चुनाव में यूपी की करीब 71 सीटों पर प्रदर्शन कमजोर रहा था। अगर सपा का कांग्रेस से गठबंधन होता है, तो कांग्रेस 100 से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ने का दबाव बना सकती है। जबकि सपा की कोशिश होनी चाहिए कि वह 70 से 75 सीटें ही दे।हालांकि, 2 पर रहा था। ऐसे में कांग्रेस इन सीटों की डिमांड कर सकती है। सर्वे के बाद सपा को कैंडिडेट चुनना आसान होगा-एक वरिष्ठ पत्रकार के मुताबिक, भाजपा-कांग्रेस 15-16 साल से ऐसे सर्वे करा रही हैं। अब सपा भी ऐसी एक्सरसाइज करा रही है। सपा-बसपा पहले पारंपरिक तरीकों से प्रत्याशियों का सिलेक्शन करती थी, जिसमें जिले के स्थानीय नेताओं से फीडबैक लेना होता था। 2022 के चुनाव में सपा ने इस स्ट्रेटजी पर काम किया था, लेकिन ज्यादातर जगह सफलता नहीं मिली। दरअसल, कई बार जिलों से नेताओं का जो फीडबैक आता है, वह पूर्वाग्रह पर आधारित होता है। सर्वे रिपोर्ट से स्थिति स्पष्ट होगी, कैंडिडेट चुनना आसान हो जाएगा। सिद्धार्थ कलहंस कहते हैं- अखिलेश यादव के लिए सीट नहीं जीत महत्वपूर्ण है। उनके लिए कैंडिडेट की जीत अहम होगी। यानी जिसके चुनाव जीतने की संभावना ज्यादा होगी, टिकट उसे ही मिलेगा। इसके लिए वह अपने करीबी या कद्दावर नेता का भी टिकट काट सकते हैं।

थलापति विजय पर गंभीर आरोप,पीसी में कहा, मेरे मिसकैरेज के जिम्मेदार विजय, पार्टी के खिलाफ बोलने पर किडनी घोटाले से नाम जोड़ा

चेन्नई। साउथ एक्ट्रेस और बिग बॉस साउथ में नजर आ चुकीं जूली ने एक्टर और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलापति विजय पर कई संगीन आरोप लगाए हैं। उन्होंने अपने मिसकैरेज के लिए विजय और उनकी पार्टी टीएमके को जिम्मेदार ठहराया है। जूली ने रविवार को चेन्नई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस रख थलापति विजय पर कई संगीन आरोप लगाए हैं। जूली के अनुसार, बीते कुछ महीनों से उन्हें और उनके पति को सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल किया जा रहा है। मार्च में एक्ट्रेस ने 8 लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई थी। तब तमिलनाडु में डीएमके की पार्टी सत्ता में थी। हालांकि विजय की सरकार बनने के बाद एक दिन अचानक उन्हें नोटिस आया कि उनकी शिकायत क्रिमिनल केस की नहीं बल्कि मानहानि की है। एक्ट्रेस ने दावा किया है कि उनके केस को सिर्फ इसलिए क्रिमिनल केस नहीं माना गया, क्योंकि उन्होंने जिन 8 लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई थी, वो थलापति विजय की पार्टी टीवीके के सपोर्टर्स हैं। इसके बाद उनकी ट्रोलिंग और बढ़ गई और बाद में उनका नाम 15 लाख रुपए के किडनी घोटाले से जोड़ा जाने लगा। जूली ने दावा किया है कि उन्होंने हाल ही में शादी की है, वो कुछ महीनों की प्रेग्नेंट थीं, लेकिन लगाता हो रही मानसिक प्रताड़ना के चलते उनका मिसकैरेज हो गया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में जूली ने थलापति विजय पर निशाना साधते हुए कहा, मेरे और मेरे पति के बारे में अपमानजनक और झूठी बातें फैलाई गईं। इस भयानक मानसिक प्रताड़ना से मेरा मिसकैरेज हुआ। इसके लिए विजय अन्ना जिम्मेदार हैं। उन्होंने सीधे तौर पर ऐसा नहीं किया, लेकिन अगर वह सिर्फ एक बार अपने सपोर्टर्स से कह देते कि ट्रोलिंग बंद करें, तो मेरा बच्चा जिंदा होता। जूली का दावा है कि विजय और उनकी पार्टी के बारे में बोलने के बाद ही उनके सपोर्टर्स ने ट्रोलिंग शुरू की है। कौन हैं एक्ट्रेस जूली? जूली का पूरा नाम मारिया जूलियाना है। वो सालों पहले नर्स हुआ करती थीं, हालांकि 2017 के बाद तमिलनाडु में जल्लीकट्टू आंदोलन के दौरान वह चर्चा में आ गई थीं। इसके बाद उन्होंने बिग बॉस तमिल के पहले सीजन में हिस्सा लिया। शो से उन्हें साउथ इंडस्ट्री में काफी पहचान मिली, जिसके बाद वो कई टीवी शोज और फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। सीएम कैसे बने विजय? विजय की राजनीति में एंट्री के बाद टीवीके ने तेजी से अपना जनाधार बढ़ाया। युवाओं, फर्स्ट टाइम वोटर्स और उनके मजबूत फैन नेटवर्क ने पार्टी को जमीनी स्तर पर फायदा पहुंचाया। चुनाव प्रचार के दौरान विजय ने भ्रष्टाचार, शिक्षा, बेरोजगारी और क्लीन पॉलिटिक्स को मुख्य मुद्दा बनाया। चुनाव में टीवीके को बड़ी सफलता मिली और पार्टी तमिलनाडु की सत्ता तक पहुंच गई। इसके बाद टीवीके विधायक दल की बैठक में विजय को सर्वसम्मति से नेता चुना गया। फिर उन्होंने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। मुख्यमंत्री बनने के बाद विजय ने कहा कि उनकी राजनीति का मकसद जनता के लिए काम करना है और वह युवाओं व आम लोगों के मुद्दों को प्राथमिकता देंगे। तमिलनाडु की राजनीति में फिल्म स्टार्स का लंबा इतिहास रहा है। एम. जी. रामचंद्रन, जे. जयललिता और एन. टी. रामा राव जैसे सितारे सत्ता तक पहुंच चुके हैं।

महबूब खान ने बदला नाम और फातिमा बन गईं नरगिस,नरगिस की 97वीं हुई

मुंबई। 'आवारा', 'श्री 420' और 'मदर इंडिया' जैसी कल्ट फिल्मो की अभिनेत्री नरगिस दत्त सिर्फ एक स्टार नहीं, हिंदी सिनेमा की एक विरासत थीं। अपने करियर में 50 से ज्यादा फिल्मों में काम करने वाली नरगिस की 97वीं जयंती पर जानते हैं उनकी जिंदगी से जुड़े कुछ रोमांचक किस्से। नरगिस का जन्म ऐसे परिवार में हुआ, जहां कला और संगीत विरासत का हिस्सा थे। उनकी मां जद्दन बाई अपने दौर की मशहूर गायिका, संगीतकार, फिल्म निर्माता और अभिनेत्री थीं। बचपन में नरगिस का नाम फातिमा तेजेश्वरी रखा गया था, लेकिन फिल्मकार महबूब खान ने उन्हें नया नाम दिया- नरगिस। उनका मानना था कि 'न' अक्षर से शुरू होने वाले नाम भाग्यशाली होते हैं। महज 14 वर्ष की उम्र में नरगिस को महबूब खान की फिल्म 'तकदीर' मिली। स्क्रीन टेस्ट के दौरान ही उनकी प्रतिभा ने सभी को प्रभावित कर दिया और वे रातोंरात फिल्मी दुनिया की नई खोज बन गईं। हालांकि उनकी औपचारिक शिक्षा सीमित रही, लेकिन वे हिंदी, उर्दू, अंग्रेजी, गुजराती और मराठी भाषाएं जानती थीं। इतना ही नहीं, वे अच्छी सितार वादक भी थीं और उन्होंने उस्ताद विलायत खान से सितार सीखा था। फिल्मों में आने से पहले वे 'बेबी रानी' के नाम से जानी जाती थीं। राजकपूर के साथ एक अधूरी प्रेमकथा-नरगिस और राज कपूर की कहानी हिंदी सिनेमा की सबसे चर्चित प्रेम कहानियों में शामिल है। दिलचस्प बात यह है कि दोनों की पहली मुलाकात तब हुई थी, जब वे बच्चे थे। वर्षों बाद जब राज अपनी पहली फिल्म 'आग' के लिए नायिका की तलाश कर रहे थे, तो उनकी पसंद नरगिस पर जाकर रुकी। 'आग' के साथ शुरू हुई यह साझेदारी जल्द ही निजी रिश्ते में बदल गई। 1948 से 1956 के बीच दोनों ने लगभग 16 फिल्मों में साथ काम किया और उनकी जोड़ी दर्शकों की पसंदीदा बन गई। 'बरसात', 'आवारा' और 'श्री 420' जैसी फिल्मों ने उन्हें पर्दे का सबसे लोकप्रिय रोमांटिक जोड़ा बना दिया। करीबी मित्र और अभिनेत्री निम्मी के अनुसार...'दोनों एक-दूसरे को प्यार से 'बेब्स' और 'बेबी' कहकर बुलाते थे। लेकिन इस रिश्ते की सबसे बड़ी बाधा यह थी कि राज पहले से शादीशुदा थे।' 'मदर इंडिया' ने बदली नरगिस की जिंदगी-1957 में आई 'मदर इंडिया' सिर्फ एक फिल्म नहीं थी, बल्कि भारतीय सिनेमा का मील का पत्थर साबित हुई। इसी फिल्म ने नरगिस को अभिनय के उस शिखर पर पहुंचाया, जहां बहुत कम कलाकार पहुंच पाते हैं। लेकिन शूटिंग के दौरान घटी एक घटना ने उनकी निजी जिंदगी भी बदल दी। शूटिंग के दौरान सेट पर लगी आग में नरगिस फंस गईं। उस समय सुनील दत्त ने अपनी जान जोखिम में डालकर उन्हें बाहर निकाला। इस हादसे में दोनों घायल हुए, लेकिन यहीं से उनके बीच भावनात्मक नजदीकियां बढ़ीं। धीरे-धीरे यह रिश्ता प्रेम में बदल गया और 1958 में दोनों ने विवाह कर लिया। उन दिनों उनके रिश्ते को लेकर कई तरह की चर्चाएं और अफवाहें भी उड़ीं, लेकिन सुनील दत्त हर परिस्थिति में नरगिस के साथ खड़े रहे। विवाह के बाद नरगिस ने फिल्मों से लगभग दूरी बना ली और पूरी तरह परिवार को समय देना शुरू कर दिया। सुनील दत्त उन्हें प्यार से मनरो कहकर बुलाते थे, जबकि नरगिस ने उन्हें फ्रैंसली नाम दिया था।

'मैं सुष्मिता सेन का केप्ट बॉयफ्रेंड था',एक्ट्रेस पर लगे 'गोल्ड डिगर' टैग

मुंबई। बिजनेसमैन और पूर्व आईपीएल चेयरमैन ललित मोदी ने हाल ही में अपनी पूर्व पार्टनर सुष्मिता सेन को स्पेशल बताया। साथ ही उन्होंने एक्ट्रेस पर लगे 'गोल्ड डिगर' (पैसे के लिए रिश्ता रखने वाली) के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि एक्ट्रेस हर चीज की पेमेंट करती थीं। ललित मोदी ने कहा कि सुष्मिता उनकी जिंदगी का बेहद खास हिस्सा रही हैं। उन्होंने कहा, 'सुष्मिता ने मुझे बहुत कुछ सिखाया और मेरी पर्सनैलिटी को निखारने में अहम भूमिका निभाई। हमारे बीच बहुत खूबसूरत रिश्ता था, लेकिन दूरियों और करियर की वजह से हम साथ नहीं रह पाए।' उन्होंने सुष्मिता की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि वह आज भी उनकी बहुत अच्छी दोस्त हैं। ललित ने कहा, 'वह एक शानदार महिला हैं। उन्होंने सिंगल मदर के तौर पर अपनी दोनों बेटियों रेनी और अलीशा की बेहतरीन परवरिश की है। मैं हमेशा उनकी उपलब्धियों को देखकर हैरान रह जाता हूं।' खुद को बताया सुष्मिता का केप्ट बॉयफ्रेंड- सुष्मिता को 'सेल्फ-मेड वुमन' बताते हुए ललित ने कहा, 'वह एक बहुत अमीर महिला हैं। उन्होंने यह सब अपने दम पर हासिल किया है। ऐसा कभी नहीं हुआ कि मैं सुष्मिता के साथ कहीं बाहर गया हूं और मुझे किसी चीज की पेमेंट करनी पड़ी हो। वह हर चीज की पेमेंट करती थीं। मैं तो मानो एक केप्ट बॉयफ्रेंड (जिसका खर्च पार्टनर उठाए) था।' वहीं, सुष्मिता और ललित के रिश्ते की खबरों के बाद सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स ने एक्ट्रेस को 'गोल्ड डिगर' कहा था। इस पर ललित मोदी ने ट्रोलर्स को जवाब देते हुए कहा, 'वह एक सेल्फ-मेड महिला हैं और वह कभी भी किसी से कुछ स्वीकार नहीं करेंगी। इसलिए जब कोई कहता है कि वह 'गोल्ड डिगर' हैं, तो नहीं। ललित ही जहां तक उनका सवाल है, मैं उम्मीद करता था कि मैं उनका डायमंड डिगर बनूं, क्योंकि वह वास्तव में एक हीरा थीं।' ललित ने यह भी बताया था कि सुष्मिता के साथ अपने रिश्ते की तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट करने से पहले उन्होंने एक्ट्रेस को बताया था। हालांकि, सुष्मिता को नहीं लगा था कि वह सच में पोस्ट कर देंगे।2022 में रिश्ते का किया था ऐलान- जुलाई 2022 में ललित मोदी ने सोशल मीडिया पर सुष्मिता सेन के साथ अपनी तस्वीरें शेयर कर रिश्ते का पब्लिक ऐलान किया था। फरवरी 2025 में ललित मोदी ने एक वीडियो पोस्ट के जरिए सुष्मिता सेन से अपने ब्रेकअप की पुष्टि की थी और अपनी नई पार्टनर रीमा बोरी के बारे में बताया था।

रिपोर्ट- 'काला हिरण' को लेकर सलमान ने भेजा लीगल नोटिस,फिल्म के प्रोडक्शन और प्रमोशन को रोकने की मांग, 20 जून को आना था टीजर

मुंबई। अपकमिंग फिल्म 'काला हिरण' को लेकर सलमान खान की ओर से लीगल नोटिस भेजा गया है। ऐसा दावा न्यूज18 ने अपनी रिपोर्ट में किया है।रिपोर्ट में बताया गया कि सलमान की ओर से लॉ फर्म डीएसके लीगल ने कास्टिंग डायरेक्टर अक्षय पांडे को एक लीगल नोटिस भेजा है। इस नोटिस में 'काला हिरण' नाम की प्रस्तावित फिल्म के प्रोडक्शन और प्रमोशन को तुरंत रोकने की मांग की गई है। 24 अप्रैल 2026 को भेजे गए इस नोटिस में कहा गया है कि यह फिल्म कथित तौर पर सलमान खान के काला हिरण शिकार मामले से प्रेरित है। सलमान की लीगल टीम का दावा है कि इस फिल्म से उनकी इमेज को नुकसान पहुंच सकता है, चल रही लीगल प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है और उनके पर्सनल राइट्स का उल्लंघन हो सकता है। सलमान की लीगल टीम का कहना है कि एक्टर ने अपने नाम, पहचान या उनसे जुड़े किसी भी कथित घटनाक्रम के इस्तेमाल की कोई अनुमति नहीं दी है। बता दें कि सलमान से जुड़े काला हिरण शिकार मामले पर आधारित फिल्म 'काला हिरण' का पोस्टर शुक्रवार को जारी किया गया था। वहीं कहा गया था कि फिल्म का फर्स्ट लुक और टीजर 20 जून को जारी किया जाएगा। फिल्म में सलमान और गैंगस्टर लॉरेंस के बीच के विवाद को दिखाया जाएगा। हालांकि, यह जानकारी सामने नहीं आई थी कि इसमें कौन लीड रोल में है। वहीं, इसके पोस्टर में जो एक्टर दिखा है, वह जाना-पहचाना नहीं है। सलमान-लॉरेंस विवाद को दिखाएगी कहानी फिल्म को लेकर आईएएनएस से बात करते हुए फिल्म के प्रोड्यूसर अमित जानी ने कहा था, '1998 में जोधपुर के कांकाणी गांव में सलमान खान पर काला हिरण के शिकार का आरोप लगा था। उस मामले से जुड़े कोर्टरूम ड्रामा, क्राइम, थ्रिलर और लॉरेंस व सलमान खान के बीच की दुश्मनी को फिल्मी रूप में पेश किया गया है। फिल्म की शूटिंग संभल, मुरादाबाद और उत्तर प्रदेश के अन्य शहरों में हुई है।' 1998 में काला हिरण शिकार मामला सामने आयासलमान खान से जुड़ा काला हिरण शिकार मामला साल 1998 में सामने आया था, जब वो जोधपुर में फिल्म 'हम साथ-साथ हैं' की शूटिंग कर रहे थे। सलमान के खिलाफ कुल चार केस दर्ज किए गए थे। इनमें दो चिंकारा शिकार मामले, एक कांकाणी काला हिरण शिकार मामला और एक आर्म्स एक्ट का मामला शामिल था। काला हिरण शिकार मामले में बिश्नोई समुदाय की शिकायत पर सलमान के साथ सैफ अली खान, तब्बू, सोनाली बेंद्रे और नीलम के खिलाफ भी केस दर्ज किया गया था। इन मामलों में 12 अक्टूबर 1998 को सलमान को पहली बार गिरफ्तार किया गया, हालांकि बाद में उन्हें जमानत मिल गई। अप्रैल 2006 में चिंकारा शिकार मामलों में सलमान को सजा सुनाई गई। जनवरी 2017 में उन्हें आर्म्स एक्ट मामले में बरी कर दिया गया। वहीं, 5 अप्रैल 2018 को काला हिरण शिकार मामले में उन्हें 5 साल की जेल और 10 हजार रुपए जुर्माने की सजा मिली। इसी मामले में बाकी कलाकारों को बरी कर दिया गया था। बाद में सलमान को जमानत मिल गई। फिलहाल यह मामला राजस्थान हाई कोर्ट में लंबित है। मई 2026 में हुई सुनवाई के बाद अदालत ने अगली सुनवाई 13 जुलाई 2026 के लिए तय की है। सलमान खान फिलहाल जमानत पर बाहर हैं। गौरतलब है कि लॉरेंस बिश्नोई सार्वजनिक रूप से यह कह चुका है कि वह काला हिरण शिकार मामले को लेकर सलमान खान से नाराज है। 2023 में जेल से दिए गए एबीपी न्यूज को इंटरव्यू में उसने कहा था कि सलमान खान को मारना मेरी जिंदगी का मकसद है। वहीं, साल 2024 में सलमान के घर (गैलेक्सी अपार्टमेंट) के बाहर फायरिंग हुई थी, जिसकी जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई के विदेश में बैठे भाई अनमोल बिश्नोई ने ली थी।

कंगना रनोट की पहली फिल्म देख अभिवावक हुए नाराज,कहा था- समाज क्या सोचेगा, उनकी बेटी कैसी फिल्में कर रही है

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनोट ने अपनी डेब्यू फिल्म गैंगस्टर को लेकर बताया कि यह फिल्म देखने के बाद उनके माता-पिता खुश नहीं थे और फिल्म के कुछ सीन्स को लेकर चिंतित थे। अपनी आगामी फिल्म भारत भाग्य विधाता के प्रमोशन के दौरान एक्ट्रेस ने बताया, 'गैंगस्टर देखने के बाद मेरे पिताजी ने कोई प्रतिक्रिया ही नहीं दी। फिर मैंने माताजी से पूछा, मम्मी, आपको मेरी फिल्म कैसी लगी? तो उन्होंने कहा, नहीं, हमारे समाज में... तुम अभी बहुत छोटी थीं, अंडरएज भी थीं। तुमसे इस तरह के सीन करवा लिए गए।' एक्ट्रेस ने कहा, 'मैंने कहा, पूरी फिल्म में आपको वही सीन दिखे? सच कहूं तो मेरा दिल टूट गया था। मुझे बहुत बुरा लगा कि उन्होंने उस फिल्म को इस तरह देखा क्योंकि वे लोग सोच रहे थे कि समाज क्या सोचेगा, कि उनकी बेटी कैसी फिल्में कर रही है।' कंगना ने कहा कि उसी समय उन्होंने फैसला कर लिया था कि वह अपनी फिल्मों को लेकर माता-पिता से किसी खास प्रतिक्रिया की उम्मीद नहीं करेंगी, क्योंकि उनका परिवार फिल्मी दुनिया से नहीं जुड़ा था। 'क्वीन' के लिए मिला था अमिताभ बच्चन का पत्र-एक्ट्रेस ने बताया कि जब मुझे फिल्म 'क्वीन' के लिए अमिताभ बच्चन जी का एक खूबसूरत पत्र मिला, जिसमें उन्होंने मेरी परफॉर्मेंस की तारीफ की थी, तब मैंने सोचा कि जिस तरह अमिताभ बच्चन मेरे काम को समझ सकते हैं, मेरे पिताजी वैसा नहीं समझ सकते और इसके लिए मैं उनसे नाराज भी नहीं हो सकती, क्योंकि वह कलाकार नहीं हैं। उनका अपना अलग काम है। नेशनल अवॉर्ड मिलने पर परिवार खुश हुआ-कंगना ने यह भी बताया कि समय के साथ उनके माता-पिता की सोच बदली। जब उन्हें नेशनल अवॉर्ड मिला तो उनका परिवार बेहद खुश हुआ। उन्हें लगा कि उनकी बेटी को देश के राष्ट्रपति के हाथों सम्मान मिला है। इसके बाद जब कंगना को पद्मश्री पुरस्कार मिला तो यह उनके परिवार के लिए एक बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। उनके मुताबिक, तब उनके माता-पिता को एहसास हुआ कि फिल्मों में काम करते हुए भी सम्मान, पहचान और बड़े नागरिक सम्मान हासिल किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि इसके बाद उनके परिवार ने उनके काम को एक अलग नजरिए से देखना शुरू किया। कंगना रनोट की अपकमिंग फिल्म भारत भाग्य विधाता वास्तविक घटनाओं से प्रेरित बताई जा रही है। फिल्म संकट की स्थिति में एक सरकारी अस्पताल के कर्मचारियों द्वारा दिखाई गई हिम्मत और मानवता की कहानी पर आधारित है। डायरेक्टर मनोज तापड़िया की इस फिल्म में गिरिजा ओक, स्मिता तांबे, अमृता नामदेव, ईशा डे, प्रिया बेर्डे और आशा शैलार भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म 12 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रणवीर सिंह विवाद के बीच फिल्म एसोसिएशन के खिलाफ याचिका

मुंबई। फिल्म प्रोड्यूसर और फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया (एफएफआई) के पूर्व अध्यक्ष टीपी अग्रवाल ने फिल्म एसोसिएशनों की ओर से कलाकारों पर लगाए जाने वाले बैन के खिलाफ कोर्ट का रुख किया है। अग्रवाल ने मुंबई की दिंडोशी सिविल कोर्ट में फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज और इंडियन मोशन पिक्चर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन के खिलाफ याचिका दायर की है। उनका कहना है कि किसी भी संस्था के पास किसी कलाकार पर काम करने से रोकने या नॉन-कोऑपरेशन का निर्देश जारी करने का कानूनी अधिकार नहीं है। कोर्ट ने दोनों संगठनों को नोटिस जारी कर दिया है। रणवीर सिंह विवाद के बीच उठाया कदम यह मामला ऐसे समय में सामने आया है जब हाल ही में एफडब्लूआईसीई ने बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह के खिलाफ नॉन-कोऑपरेशन यानी असहयोग का निर्देश जारी किया था। रणवीर सिंह का प्रोडक्शन हाउस एक्सेल एंटरटेनमेंट के साथ फिल्म 'डॉन 3' फिल्म छोड़ने के बाद से विवाद चल रहा है। इसके बाद फेडरेशन ने अपने सदस्यों को रणवीर के साथ काम न करने के लिए कहा था। इसी तरह के बॉयकॉट के फैसलों को टीपी अग्रवाल ने कोर्ट में चुनौती दी है। उनका कहना है कि इस तरह के फैसले कलाकारों की आजीविका को नुकसान पहुंचाते हैं।संगठन को बैन लगाने का अधिकार नहीं अग्रवाल ने अपनी याचिका में दलील दी है कि फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ी कोई भी ट्रेड बॉडी या एसोसिएशन कानूनन किसी व्यक्ति को काम करने से नहीं रोक सकती। उन्होंने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री आपसी सहयोग से चलती है। इस तरह के मामलों को सही कानूनी और प्रोफेशनल तरीकों से सुलझाया जाना चाहिए। किसी को काम करने से रोकने की कोशिश को हल्के में नहीं लिया जा सकता। इससे लोगों के काम करने की आजादी और क्रिएटिविटी पर सीधा असर पड़ता है। फिल्म फेडरेशन के अध्यक्ष रह चुके टीपी अग्रवाल टीपी अग्रवाल फिल्म इंडस्ट्री के सबसे सीनियर और प्रभावशाली चेहरों में से एक हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।